Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 41 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 28 नवम्बर 2024 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

कोहरे के चलते थमे ट्रेनों के चक्के! 30 से ज्यादा गाड़ियां रद्द

नईदिल्ली। सर्दियों की शुरुआत होते ही उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में कोहरा छाने लगाता है. जिसका सबसे ज्यादा असर ट्रेनों पर देखने को मिलता है. क्योंकि कोहरे के चलते रेलवे को हर दिन तमाम ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ता है. यही नहीं जिन ट्रेनों का संचालन होता वह ट्रेनें भी अपने गंतव्य तक कई-कई घंटों की देरी से पहुंचती है. रेलवे को कोहरे के चलते कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है. यही नहीं रेलवे ने आज कई ट्रेनों के संचालन के समय में भी बदलाव किया है जबकि कुछ ट्रेनों को दूसरे रूट पर डायवर्ट किया गया है. ऐसे में अगर आप भी ट्रेन से यात्रा करने जा रहे हैं तो सबसे पहले अपनी ट्रेन का स्टेटस चेक कर लें. उसके बाद ही घर से स्टेशन के लिए निकलें. बता दें कि कोहरे का सबसे ज्यादा असर रेलवे के 18 में से चार जोन में देखने को मिल रहा है. इनमें नॉर्दर्न जॉन भी शामिल हो जो दिल्ली, लखनऊ और मुरादाबाद को कवर करती है. कोहरे के चलते कई ट्रेनों की स्पीड भी कम की गई है. इसमें कई ऐसी ट्रेनें भी शामिल है.

दक्षिण भारत में भारी बारिश का अलर्ट जारी

नईदिल्ली। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के चलते मैदानी इलाकों में सुबह-शाम के वक्त सर्दी अपना असर दिखा रही है।मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों में उत्तर-पश्चिमी भारत में तापमान 2-3 डिग्री तक गिरने की संभावना है, जिसके बाद कड़ाके की ठंड पड़ना शुरू हो जाएगी।दूसरी तरफ बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र चक्रवात का रूप ले चुका है, जिससे अगले 5 दिन तमिलनाडु सहित दक्षिण भारतीय राज्यों में भारी बारिश से तबाही मच सकती है। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी से कुछेक इलाकों में न्यूनतम तापमान -2 से -3 डिग्री तक दर्ज हो रहा है। आज न्यूनतम तापमान 10 डिग्री रहेगा, जबकि कई जगह 2-5 डिग्री नीचे जा सकता है।हिमाचल प्रदेश में घना कोहरा देखने को मिल रहा है और कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान -2 डिग्री तक जा सकता है।उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के चलते ठंड बढ़ेगी।

सोफा बनाने की फैक्ट्री में लगी आग, तीन लोगों की जलकर मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बीटा 2 इलाके में एक सोफा बनाने की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया और आग बुझाने के बाद अंदर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान तीन व्यक्ति अंदर गंभीर हालत में मिले। जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि तीनों इसी फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर थे और आग लगने के दौरान यहां मौजूद थे। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि 26 नवंबर को थाना बीटा 2 क्षेत्र के अंतर्गत साइट फॉर फैक्ट्री नंबर 4 जी में आग लग गई। यहां सोफा बनाने का काम होता है। आग लगने की सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस व फायर स्टेशन की गाड़िया मौके पर पहुंची।

मुझे सीएम बनने की लालसा नहीं

पीएम मोदी और अमित शाह का फैसला मंजूर-शिंदे

मुंबई/ एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना शिंदे गुट के प्रमुख एकनाथ शिंदे ने बुधवार को सीएम पद को लेकर चल रही चर्चाओं को विराम दे दिया। उन्होंने कहा कि मेरे मन में सीएम बनने की लालसा नहीं है। पीएम मोदी और अमित शाह जो भी निर्णय लेंगे मुझे मंजूर होगा। सरकार बनाते समय मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं आएगी। मैं चट्टान की तरह साथ खड़ा हूं। भाजपा की बैठक में जो भी निर्णय लिया जाएगा, हमें मान्य होगा। भाजपा का सीएम मुझे मंजूर है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि पिछले ढाई साल में पीएम मोदी और अमित शाह ने मेरा पूरा सहयोग किया। अमित शाह और पीएम मोदी ने बालासाहेब ठाकरे के एक आम शिवसैनिक को सीएम बनाने के सपने को पूरा किया है। वे हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने मुझ पर विश्वास किया। मुझे मुख्यमंत्री बनाया और बड़ी जिम्मेदारी दी। मैं रोने वालों और लड़ने वालों में से नहीं हूं। मैं भागने वाला नहीं समाधान करने वाला व्यक्ति हूं। हम मिलकर काम करने वाले लोग हैं। ढाई साल तक हमने खूब काम किया है। महाराष्ट्र में विकास की रफ्तार बढ़ी है। हमने हर वर्ग की भलाई के लिए काम किया। एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति को बहुमत मिला है। मैं जनता को धन्यवाद देता हूं। जनता ने महायुति पर विश्वास जताया है। विकास की योजनाओं को समर्थन मिला है। आम आदमी को कहां-कहां

दिक्कत आती है, मैं समझता हूं। मैंने खुद को कभी मुख्यमंत्री नहीं समझा। मैंने आम आदमी की तरह काम किया। महाराष्ट्र की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की है। हमारे काम का नतीजा दिख रहा है। हमने लाडली बहन योजना पर काम शुरू किया। मैं लाडली बहनों का लाडला भाई हूं। उन्होंने कहा कि अगर मेरी वजह से महाराष्ट्र में सरकार बनाने में कोई समस्या आती है, तो पीएम मोदी और अमित शाह अपने में कोई संदेह न लाएं और आप जो भी फैसला लेंगे, वह मुझे मंजूर है। आप हमारे परिवार के मुखिया हैं। जिस तरह से भाजपा के लोग आपके फैसले को स्वीकार करते हैं, हम भी उसी तरह से आपके फैसले को स्वीकार करेंगे। मैंने कल पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को फोन किया और उन्हें बताया कि मेरी वजह से सरकार बनाने में कोई समस्या नहीं होगी। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र के कार्यवाहक सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे समझ नहीं पा रहे हैं कि भाजपा नेतृत्व क्या है। सीएम चेहरे की घोषणा में देरी के पीछे एक बड़ा कारण है। ईवीएम-बैलेट पेपर मुद्दे पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घोषणा की है कि हम बैलेट पेपर से मतदान बहाल करने के लिए अपनी आवाज उठाएंगे।

शाह करेंगे महाराष्ट्र के नए सीएम के नाम पर फैसला, नई दिल्ली में महायुति की बड़ी बैठक आज

पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महायुति गठबंधन गुरुवार को अगली महाराष्ट्र सरकार और मुख्यमंत्री पर फैसला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि तीन सहयोगी दल शिवसेना शिंदे, राकांपा अजित पवार और भाजपा- इस मामले पर चर्चा के लिए गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में बैठक करेंगे। बताया जा रहा है कि अमित शाह के साथ ये बैठक होगी। कार्यवाहक सीएम ने ठाणे में अपने घर पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आपके मन में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि बीजेपी जो भी फैसला करेगी, शिवसेना उसका समर्थन करती है, कल हम दिल्ली में अमित शाह के साथ सरकार गठन पर फैसला करेंगे। कई दिनों के राजनीतिक सस्पेंस के बाद, एकनाथ शिंदे ने बुधवार को देवेंद्र फड़णवीस के लिए राज्य का अगला नेता बनने का रास्ता साफ कर दिया। महाराष्ट्र भाजपा द्वारा देवेन्द्र फड़णवीस पर जोर देने के बावजूद, गठबंधन ने सीएम चयन पर औपचारिक घोषणा में देरी की है। गठबंधन सद्भाव बनाए रखने के लिए शिंदे को शामिल करने की मांग की है। इस बीच शिंदे ने राज्यपाल सी.पी. से मुलाकात की। राधाकृष्णन ने मंगलवार सुबह राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद अपना इस्तीफा सौंप दिया। राज्यपाल ने अनुरोध किया कि शिंदे नए मुख्यमंत्री के शपथ लेने तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका में बने रहें। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के नाम पर कई दिनों से चल रहे सस्पेंस को खत्म करते हुए कार्यवाहक-सीएम एकनाथ शिंदे ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और खुद को सीएम की दौड़ से बाहर कर दिया।

कुछ दिन पहले ही आप छोड़ बीजेपी में हुए शामिल

कैलाश गहलोत ने विधानसभा की सदस्यता से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के एक हफ्ते से अधिक समय बाद आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत ने बुधवार को विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल को भेजा। 17 नवंबर को दिल्ली के पूर्व मंत्री ने ्क से इस्तीफा दे दिया। अपने फैसले का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी दिल्ली के लोगों से की गई महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रही। गहलोत ने आरोप लगाया कि राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं लोगों के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता से आगे निकल गई हैं। उन्होंने शीशमहल जैसे कुछ

विवादों हवाला देते हुए केजरीवाल पर भी कटाक्ष किया और कहा कि इससे हर किसी को संदेह होता है कि क्या हम अभी भी 'आम आदमी' होने में विश्वास करते हैं। गहलोत ने दिल्ली सरकार द्वारा अपना अधिकांश समय केंद्र के साथ लड़ने में खर्च करने और यमुना नदी को साफ करने में विफलता के खिलाफ भी बात की। इस बीच, आप नेताओं ने कहा कि गहलोत ईडी और सीबीआई जांच का सामना कर रहे हैं और उनके पास भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। आप से इस्तीफा देने के एक दिन बाद, गहलोत केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। बीजेपी में शामिल होने के बाद गहलोत ने कहा, कुछ लोग सोच रहे होंगे कि यह फैसला रातोंरात और किसी के दबाव में लिया गया है। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैंने आज तक कभी किसी के दबाव में कुछ नहीं किया। मैं सुन रहा हूं कि एक कहानी बनाने की कोशिश की जा रही है कि यह ईडी और सीबीआई के दबाव में किया गया था लेकिन यह सब गलत है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर फिर गंभीर, स्कूलों में कक्षाओं को लेकर नए आदेश जारी

नईदिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण एक बार फिर गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। मंगलवार को सुबह 7 बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई 396 दर्ज किया गया।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 436 और अशोक विहार में 419 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है।इनके अलावा कई अन्य स्टेशनों पर भी एक्यूआई 400 के पार पहुंचा है। मंगलवार को सुबह से दिल्ली में धुंध छाई है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग सीएक्यूएमको प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर भी स्कूल न बंद करने को कहा था। इसके ठीक बाद सीएक्यूएम ने निर्देश जारी कर कक्षा 12 तक की सभी कक्षाओं को भौतिक और ऑनलाइन दोनों तरह से चलाने का निर्देश दिया है।

अडानी रिश्वत मामला

अदाणी समूह को बचा रही सरकार नहीं हो पा रही जांच-राहुल गांधी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

अडानी रिश्वत मामला बुधवार को संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह गूंजा, जब दो वरिष्ठ वकीलों ने अडानी समूह के अध्यक्ष के खिलाफ अमेरिकी आरोपों में छेद करने का प्रयास किया, जिसके बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कई विपक्षी नेताओं द्वारा रिश्वत मामले पर चर्चा के लिए नोटिस दिए जाने के बाद संसद में हंगामा देखने को मिला, जिसके चलते दोनों सदनों को स्थगित कर दिया गया और अन्य सभी कामकाज निलंबित कर दिए गए। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अडानी की गिरफ्तारी के लिए अपना आह्वान दोहराया और कहा कि उद्योगपति अमेरिकी अभियोजकों द्वारा उल्लिखित आरोपों

को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। लोकसभा एलओपी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि क्या आपको लगता है कि अडानी आरोप स्वीकार करेंगे? जाहिर है, वह आरोपों से इनकार करेंगे। मुद्दा यह है कि उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए। छोटे-छोटे आरोपों में सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। अडानी पर संयुक्त राज्य अमेरिका में हजारों करोड़ का आरोप लगाया गया है, उन्हें जेल में होना चाहिए। सरकार उनकी सुरक्षा कर रही है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि तथ्य यह है कि दो अभियोग दायर किए गए हैं। एक न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अटॉर्नी द्वारा और दूसरा संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा। इसलिए वे स्पष्ट रूप से अमेरिकी अदालत के समक्ष ये तर्क देने के लिए स्वतंत्र हैं। मूल मुद्दा यह है कि ये अभियोग भारत के कारोबारी माहौल के संबंध में किस तरह का संदेश भेजते हैं। उन्होंने कहा कि नंबर दो, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड क्या कर रहा था? यदि अमेरिकी नियामक को अभियोग दायर करने के लिए पर्याप्त सबूत मिले हैं। यदि आप हिंडनबर्ग रिपोर्ट को याद करें, तो अडानी समूह के संबंध में मुद्दे न केवल सार्वजनिक डोमेन में थे, बल्कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी इस पर आंदोलन किया जा रहा था

वीरांगना झलकारी बाई का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कोली/कोरी समाज के तत्वाधान में वीरांगना झलकारी बाई का 194 जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया ।

कार्यक्रम में कोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्य नेताओं ने कहा कि दिल्ली में 1993 से विधानसभा चुनाव हो रहे हैं द्व लेकिन आजतक भाजपा ने कोली समाज के किसी भी व्यक्ति को विधानसभा चुनावों में टिकट नहीं दिया हैद्व 2015 में आप ने कोली समाज के धर्मेंद्र कोली को अपना प्रत्याशी बनाया था और वो चुनाव जीतकर आए।

कोली समाज के नेताओं ने कहा कि दिल्ली में कोली आबादी 18 से 20 लाख है

और इतने पर कोली समाज नजरअंदाज किया जा रहा है द्व यदि इस बार दिल्ली में कोली समाज को टिकट नहीं दिया तो कोली समाज इस बार कुछ और सोचने पर मजबूर हो जाएगा इस बार कोली दिल्ली में 2 टिकट की मांग कर रहा हैं। इस कार्यक्रम में कोली समाज के नेताओं में प्रदेश अध्यक्ष जगदीश माहौर, चंद्रवर्धन पिठावाल,सुदेश माहौर,राजकुमार माहौर, गंगा राम माहौर, दीपक माहौर राजेश आर्य, सतीश माहौर,महेंद्र माहौर, गुजरात से भाजपा नेता प्रवीण भाई सोलंकी(कोली) राजू भाई सोलंकी (कोली)(कोली), ब्रिजराज सोलंकी (कोली) गुजरात से विशेष रूप से कार्यक्रम शिरकत की।

विपक्ष के साथ खड़े हुए भाजपा सांसद

वक्फबिल पर संसदीय पैनल के लिए मांगा और समय......

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से और समय मांगा। उन्होंने विपक्षी सांसदों के विचारों को दोहराया क्योंकि उन्होंने भी विस्तार की मांग की थी। दुबे ने बुधवार को जेपीसी की बैठक के दौरान एक प्रस्ताव पेश किया। जेपीसी के विस्तार का प्रस्ताव कल संसद में आने की संभावना है। झारखंड के गोड्डा निर्वाचन क्षेत्र के सांसद ने बुधवार को संसदीय पैनल की बैठक के दौरान एक प्रस्ताव पेश किया। बीजेपी सांसद और वक्फ जेपीसी सदस्य अपराजिता सारंगी ने कहा कि वक्फ बैठक में आज जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी सदस्यों ने बहिर्गमन किया और सत्ता पक्ष के कई सदस्य उनसे आकर विचार-विमर्श में शामिल होने का अनुरोध करने के लिए कमरे से बाहर चले गए।

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े अस्पताल में मंगाई जा रही है 7 करोड़ की आधुनिक मशीन

अब एक घंटे के भीतर मिलेगी पोस्टमार्टम रिपोर्ट

दामु आंबेडारे

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े अंबेडकर अस्पताल में आधुनिक मशीनों के द्वारा मरीजों का इलाज किया जा रहा है वही करोड़ों की लागत से शव परीक्षण के लिए मशीन मंगाई जा रही है।

मालूम हो कि पोस्टमार्टम के 6 से 7 माह बाद रिपोर्ट मिला करती थी अब मात्र एक से डेढ़ घंटे के भीतर रिपोर्ट मिलेगी द्य छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल में शव परीक्षण के लिए प्रदेश का पहला वर्चुअल ऑटोप्सी केंद्र खोला जा रहा है द्य आधुनिक मशीन की खरीदारी के लिए निविदा जारी की गई है। मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉक्टर विवेक चौधरी ने बताया कि 7 करोड़ की लागत से शव परीक्षण के लिए आधुनिक मशीन लगाई जा रही है, अंबेडकर अस्पताल प्रदेश का पहला वर्चुअल ऑटोप्सी सेंटर होगा जहां प्रदेश भर

के घटना दुर्घटनाओं का शव परीक्षण होगा द्य उन्होंने बताया कि वर्चुअल ऑटोप्सी केंद्र खोले जाने से लोगों को राहत मिलेगी, फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग में शव परीक्षण के लिए खरीदी जाने वाली मशीन को स्वास्थ्य विभाग ने अपनी सहमति दी है। उन्होंने कहा कि शव परीक्षण का विस्तृत विवरण तैयार किया जा रहा है शीघ्र ही मशीन की खरीदारी के लिए निविदा जारी की जाएगी वर्चुअल ऑटोप्सी सेंटर 2 माह के भीतर खोले जाने की संभावना है उन्होंने कहा कि शव परीक्षण के जांच के लिए एमआरआई, सीटी स्कैन मशीन और डिजिटल एक्सरे से शव के भीतरी हिस्सों का स्कैन किया जाएगा, जिससे मौत का कारण जल्द पता चल सकेगा द्य उन्होंने कहा कि घटना दुर्घटना से शव प्रशिक्षण की रिपोर्ट 6-7 माह लगा करता था लेकिन आधुनिक मशीन के लगने से पोस्टमार्टम में समय कम और एक या डेढ़ घंटे में जांच रिपोर्ट मिल जाएगी, जिससे बाहरी इलाकों के मरीज के परिजनों को राहत मिलेगी।

डॉ विवेक चौधरी ने कहा कि नई-नई आधुनिक मशीनों से मरीजों का इलाज किया जा रहा है वही 7 करोड़ की लागत से शव परीक्षण के लिए मशीन मंगाई जा रही है पहले 697 माह में जांच रिपोर्ट मिला करती थी अब एक से डेढ़ घंटे में रिपोर्ट मिल जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नवागढ़ विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिवनी में लगाया गया दिव्यांगता जांच शिविर

जांजगीर-चांपा समय दर्शन // कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के निर्देशन में जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत सिवनी (नैला) के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दिव्यांगता जांच शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा द्वारा स्वस्थ जांजगीर चांपा अन्तर्गत दिव्यांगजनों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड पंजीयन के लिए दिव्यांगता शिविर के माध्यम से शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों का प्रमाणपत्र बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए है। शिविर में हितग्राहियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं पात्रतानुसार प्रमाणीकरण करते हुए प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इसके साथ यूडीआईडी पंजीयन किया गया है। शिविर में अस्थिबाधित, दृष्टिबाधित, बहुविकलांग, मानसिक विकलांग, मूकबधिर सहित अन्य दिव्यांग व्यक्तियों का चिन्हांकन, मूल्यांकन तथा परीक्षण किया गया।

बालसी गांव में 137 बोरी धान, महुआ और पीडीएस चावल जब्त

सरायपाली(समय दर्शन)। महासमुंद जिले के सरायपाली तहसील अंतर्गत ग्राम बालसी में अनुविभागीय अधिकारी आईएएस नम्रता चौबे के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। राजस्व, खाद्य विभाग और मंडी की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए 137 बोरी धान, 60 बोरी महुआ और 25 बोरी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का चावल जब्त किया। टीम को जानकारी मिली थी कि बालसी गांव में कुछ लोग बड़े पैमाने पर धान और अन्य सामग्री का अवैध भंडारण कर रहे हैं। इस पर एसडीएम के निर्देश पर राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। जांच के दौरान भंडारण स्थल पर टीम को बिना वैध दस्तावेजों के बड़ी मात्रा में धान, महुआ और पीडीएस चावल मिला। इसे तत्काल जब्त कर लिया गया और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। एसडीएम चौबे ने बताया कि सरकार की खाद्य सुरक्षा योजना के तहत मिलने वाले पीडीएस चावल का दुरुपयोग गंभीर अपराध है। इस मामले में संबंधित लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन लगातार ऐसे मामलों पर नजर रखे हुए है और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

आर.बी.सी. 6-4 के तहत 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत

महासमुंद (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा से मृत्यु होने पर 05 मृतकों के निकटतम वारिसानों के लिए चार-चार लाख रुपए के मान से कुल 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। इनमें पानी में डूबने से मृत्यु होने पर विकासखंड महासमुंद अंतर्गत वार्ड नम्बर 12 भाठापारा के मृतक श्री कुलदीप यादव, नयापारा वार्ड नम्बर 05 के मृतक सुनील साहू, बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम भानपुर के मृतक संतोष कुमार यादव, ग्राम भदरसी के मृतक नेतराम यादव तथा सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत वार्ड नम्बर 3 महलपारा के मृतक आदिल हुसैन के निकटतम वारिसानों के लिए चार-चार लाख रुपए आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

बच्चों ने धूमधाम से मनाया शिक्षक का जन्मदिन व न्योता भोज का भी आयोजन

पटेवा (समय दर्शन)। प्राथमिक शाला सलिहाभांठा में पदस्थ शिक्षक धर्मेंद्र ध्रुव ने अपने जन्मदिन के अवसर पर शाला के बच्चों को न्योता भोज कराया। न्योता भोज में बच्चों को मिठाई, खारा और पान के साथ भोजन में बच्चों की मांग पर पनीर की सब्जी खिलाया गया। बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ अपने शिक्षक का जन्मदिन मनाने के लिए पूर्व से ही तैयारी कर लिए थे। शिक्षक को उनके जन्मदिन पर पूरी तैयारी के साथ आमंत्रित किए। इसके लिए बच्चों ने गुब्बारों और फूलों से दीवाल को सजाया था। अपने स्तर पर बच्चों ने शिक्षक को शुभकामना भेंट भी प्रदान किए। बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाकर शिक्षक गदगद हो गए और बच्चों को स्नेह दिया।

मिट्टी मे मिट्टी बनकर अन्न उपजाने का कार्य यदि कोई करता है वह है भुइया के भगवान किसान - खेमलाल साहू

नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारीयों ने लिया पद भार ग्रहण

पाटन (समय दर्शन)। विधानसभा के अंतर्गत वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति मर्यादित फेकारी,पाटन,पंदर एवं बोरिद में राज्य सरकार द्वारा नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारीयों का पदभार ग्रहण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें फेकारी सोसायटी में प्राधिकृत अधिकारी पारखत साहू , पाटन सोसायटी में प्राधिकृत अधिकारी नागेंद्र कश्यप ,पंदर सोसायटी में प्राधिकृत अधिकारी संतोष वर्मा, एवं बोरिद सोसायटी में प्राधिकृत अधिकारी संतोष घिरवानी ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खेमलाल साहू अध्यक्ष मध्य मंडल पाटन, विशिष्ट अतिथि लोकमणि चंद्राकर अध्यक्ष उत्तर मंडल पाटन, पोसूराम निर्मलकर पूर्व मंडी सदस्य, दिव्या कलिहारी अध्यक्ष जिला महिला मोर्चा, हरिशंकर साहू महामंत्री मध्यमंडल पाटन,योगेश निक्की भाले नेता प्रतिपक्ष नगर पंचायत पाटन,होरीलाल देवांगन अध्यक्ष नगर भाजपा पाटन, मीरा बंछोर पूर्व जिला पंचायत सदस्य, केवल देवांगन उपाध्यक्ष जिला युवा मोर्चा , कुणाल शर्मा अध्यक्ष मध्यमंडल युवा मोर्चा,महेश्वर बंछोर, कोहिनूर बन्छोर सरपंच ग्राम पंचायत बोरिद , आशिष बन्छोर सरपंच दरबारमोखली की उपस्थिति में पदभार ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उक्त अवसर पर खेमलाल साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता,भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जो जो विकसित छत्तीसगढ़ के जो स्वपन देखे थे उनको पूर्ण करने का कार्य हमारी भजपा की मा विष्णु देव की सरकार कर रही हे। अन्नदाता के आय मे वृद्धि हो उनकी आय दुगुनी हो केंद्र मे मा नरेंद्र मोदी जी की सरकार द्वारा किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से प्रत्येक वर्ष छः हजार रुपये का सम्मान राशि प्रदान कर रहे हैं। मिट्टी मे मिट्टी बनकर अन्न उपजाने का कार्य कोई करता है तो वह है हमारे अन्नदाता 卐 भुईया के भगवान卐 किसान है,जो दिन रात कठोर काम कर हम सबके के लिए अन्न के रूप मे भोजन पैदा

करते हैँ। किसान अपनी खेती करना छोड़ देगा तो सोचों पुरी दुनिया में भोजन की हाहाकार हो जायेगा। अत: किसानों के हित में हमारी डबल इंजन की सरकार नित नए योजनाओं को क्रियान्वित करने का कार्य कर रही है। किसानों एवं शासन को जोड़ने की कड़ी के रूप में सेवा प्रदान करने राज्य सरकार ने सोसायटी में प्राधिकृत अधिकारी के रूप मनोनीत किया है। केंद्र में माननीय नरेंद्र मोदी जी की सरकार एवं राज्य मे माननीय विष्णुदेव जी की सुशासन की डबल इंजन की सरकार आप समस्त किसानों के आशीर्वाद से निरंतर कार्य कर रही है। घोषणा पत्र के संयोजक के रूप में माननीय विजय बघेल जी सांसद दुर्ग द्वारा घोषणा पत्र में जो हमने कहा है, वह हमारी सरकार ने पुरा किया है। सरकार बनते ही किसानों के धान को प्रति एकड़ 21 क्विन्टल एवं एकत्तीस सौ रुपये में खरीदने का वादा को पुरा किया । लोकमणि चंद्राकर अध्यक्ष उत्तर मंडल पाटन ने कहा कि किसानों के एक एक दाना को खरीदने का कार्य सोसाइटी के माध्यम से डा रमनसिंह की सरकार ने प्रारम्भ किया। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के समय कांग्रेस की सरकार थी,उस समय किसानों के धान को मंडी में खरीदा करता था,और किसानों के धान को पानी में डुबो डुबोकर देखा करती थी। किसान की रातों तक अपने धान की रखवाली करता था। कोई व्यवस्था नहीं था मंडी के बाहर रखने किसान मजबूर हुआ करता था। कांग्रेस ही कार्यकाल में किसानों को धान बेचने हेतु रातभर टोकन के लिए जागना पड़ता था , इनके आलावा सोसायटी मे बारदाना की उपलब्धता कराने में भी असमर्थ रहा है । इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसानों को अपने धान बेचने हेतु स्वयं के बारदाने खरीद कर बेचने मजबूर हुए थे ,और किसानों को उनके बारदाने की राशि भी नहीं दिया गया। हरिशंकर साहू महामंत्री मध्य मंडल पाटन ने कहा कि किसानों के धान बेचने की टोकन की समस्या को राज्य सरकार ने हल किया है जिसमे साठ प्रतिशत ऑनलाइन और चालीस प्रतिशत सोसायटी के माध्यम से आफ्लाइन टोकन की सुविधा कर दिया है। विकसित छत्तीसगढ़ राज्य के सपने को साकार करने का कार्य केंद्र में माननीय नरेंद्र मोदी जी एवं राज्य में माननीय विष्णु देव जी की डबल इंजन की सरकार निरंतर कार्य कर रही है । इस अवसर पर टामन साहू प्राधिकृत अधिकारी सेलूद, दानीराम वर्मा प्राधिकृत अधिकारी कुर्मीगुंडरा, ज्योतिप्रकाश साहू,नेहरू साहू,डुनेश्वर साहू,देवेंद्र साहू,किशनलाल साहू,केजूराम साहू, खोरबाहरा साहू, संतलाल कोड़प्पा, भूपेंद्र राजू वर्मा, शिवकुमार साहू, योगेंद्र साहू,सोहन साहू, कुंदन साहू, पुष्कर साहू, लक्ष्मण निर्मलकर, वेदप्रकाश नन्हा वर्मा, भाष्कर वर्मा,आदित्य सावर्णी, अनिकेत मिश्रा, योगेश्वर वर्मा, लोकेश्वर नायक, केदार यादव, घणाराम, कमलेश कश्यप, भगतराम,मनीष बिजौरा, सुनील वर्मा, हिरासिंह वर्मा,राजेंद्र वर्मा, बलवंत वर्मा, रामाधार वर्मा, वेदनारायन, जयप्रकाश साहू, महेंद्र वर्मा, संजय, लोकेश वर्मा, लक्ष्मण वर्मा, अशोक नायक,ध्रुव वर्मा, पवन वर्मा, टिकेंद्र यादव, हीरामन कौशिक, सुरेंद्र मढ़रिया, फुलसिंह, थानसिंह, घनश्याम साहू, रमेशर साहू, मंजू वर्मा, रेवती वर्मा, दौआराम, कृष्णकुमार, हेमंत निर्मलकर, नंदकुमार बन्छोर, गोवर्धन बंछोर, जशवंत बन्छोर, भूपेंद्र जांगड़े, चेतन जांगड़े एवं समिति के पर्यवेक्षक, प्रबंधकगन, कर्मचारियों सहित किसानों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कलेक्टर का विशेष पहल बोलेगा बचपन

जांजगीर ,(समय दर्शन) जिला कलेक्टर जांजगीर चाम्पा के विशेष पहल पर प्राथमिक और पूर्व मा शाला में बच्चों के झिझक दूर कर आत्मविशास विकसित करने हेतु बोलेगा बचपन कार्यक्रम चलाया जा रहा है ।इसमें प्रतिदिन सुबह प्रार्थना के समय अलग- अलग कक्षा के अलग-अलग बच्चे प्रतिदिन मंच में आकर गीत, कहानी, आत्म परिचय, समाचार वाचन आदि करते हैं ताकि उनमें बोलने की कला विकसित हो सके। इसी संदर्भ में जिला प्रशासन के आदेशानुसार संकुल सिवनी में विभिन्न विधाओं पर आधारित प्रतियोगिता एक आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल स्तर से चयनित बच्चे भाग लिए। कार्यक्रम में प्राथमिक स्तर के लिए कक्षा पहिली और दूसरी के लिए आत्म परिचय और कविता वचन तथा तीसरी से पांचवी के लिए पुस्तक वचन और कविता वचन रखा गया था । इसी प्रकार पूर्व मा शा के लिए

निबन्ध लेखन और भाषण प्रतियोगिता रखा गया। केवल पुस्तक वचन देखकर करना था जिसमे पढ़ने की गति को देखा गया बाकी सभी विषयों पर बिना देखे मौखिक प्रस्तुति देना था । सभी कार्यक्रम में सात स्कूलों के 20 बच्चे शामिल हुए प्राथमिक स्तर में कविता में मिस्का बरेठ, आत्म परिचय में पल्लवी सिदार इसी प्रकार पुस्तक वाचन में अरमान चौहान प्रथम ,आरती यादव कविता में प्रथम रही। पूर्व मा स्तर में भाषण में दिव्या बरेठ प्रथम, पुस्तक वाचन में निधि बरेठ प्रथम रही। निबन्ध का विषय नारी शक्ति था । सभी प्रतिभागियों को संकुल की ओर से पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन अशोक तिवारी ने आभार यशवंत देवांगन ने किया। पूरे कार्यक्रम के निर्णायक राजू देवांगन और संजय अवस्थी रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में नरेश देवांगन, रामकुमारी राठौर, शिवनंदन साहू, उदय देवांगन, घनश्याम शुक्ला, गीता थवाईत , ज्योतिदास महंत, मोकेश्वरी साहू ,किरण महतो, देवेन्द्र सिंह का सहयोग सराहनीय रहा।

पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय नवागढ़ एवं राधाकृष्ण शिक्षा समिति नवागढ़ के संयुक्त तत्वाधान में आई.क्यू.ए.सी. के अंतर्गत संविधान के 75वे वर्षगांठ का आयोजन

जांजगीर ,(समय दर्शन),पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय नवागढ़ एवं राधाकृष्ण शिक्षा समिति नवागढ़ के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 26/11/24 दिन मंगलवार को संविधान का 75वां वर्षगांठ मनाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री विनोद अग्रवाल संचालक पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय नवागढ़, डॉ अन्नपूर्णा बंसल संचालक राधाकृष्ण शिक्षा समिति नवागढ़, डॉ. ऋत्विक तिवारी प्राचार्य आर .के .एस. एस., डॉ राजेश शर्मा प्राचार्य पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय नवागढ़, सुश्री सिम्पल रजक उपप्राचार्य जेएलएन महाविद्यालय, श्री तेरस दिनकर आई. क्यू. ए .सी.प्रभारी के मार्गदर्शन में किया गया। जिसके अंतर्गत संविधान पदयात्रा रैली डॉ भीमराव अम्बेडकर चौक राछा तक निकाली गयी। अम्बेडकर जी के मूर्ति पर माल्यार्पण कर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया तत्पश्चात् छात्र-छात्राओं का

वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित किया गया, जिसका थीम था- चुनाव प्रत्याशी की शैक्षिक योग्यता की अनिवार्यता है या नही। इस प्रतियोगिता में पक्ष में प्रथम स्थान आकाश(बीएड प्रथम वर्ष), द्वितीय स्थान मुकेश वर्मा (बीएड प्रथम वर्ष) तथा विपक्ष में प्रथम स्थान रुद्र सिंह माझी(एम .ए .प्रथम सेमेस्टर राजनीति शास्त्र), द्वितीय स्थान प्रयांशा सिंह बनाफर (बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष) ने प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री राजेंद्र विजयवार एन. एस. एस. प्रभारी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक डॉ .भावना सोहेल, सुश्री बबिता मधुकर, सुश्री धनेश्वरी कुर्रे,श्री प्रज्ञानंद, श्री जोहित कश्यप, श्री दीपक चंद्रा, श्री अखेन्द्र जांगड़े, सुश्री मालती बंजारे, सुश्री यशोदा शांते, श्री ऑर्थो राठिया, श्रीमती प्रीति देवांगन, अनुभव साहू, सतीश महंत, शिवरात्रि साहू एवं यसवंत कश्यप, ओम कुर्रे,कुंजलि साहू,हेमा लहरे ,आरती कुर्रे ,बिमला,मानमती,निशा,शिवलता,विजय,सत्यनारायण,शुभम, युगल, दीपमाला, नेहा, भाग्यवती, लक्ष्मी, अर्जुन चंद्रा, हेमा लहरे, अंजली, आरती, स्वेता सार्थी, लक्ष्मीन, दिव्या, हरिशंकर, गौरीशंकर, भूमिका, रुद्र, टीना, तेजस्वानी, शाक्षी, चंचल छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खेल युवाओं को जीवन के हर क्षेत्र में आत्मविश्वास और सफलता हासिल करने की प्रेरणा भी देते हैं-ललित चंद्राकर

आर्म्स रेसलिंग प्रतिस्पर्धा में शामिल हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक

दुर्ग (समय दर्शन)। भिलाई अंतर्गत सूर्या मॉल में आयोजित आर्म्स रेसलिंग प्रतिस्पर्धा के शानदार आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर युवा खिलाड़ियों के जुनून और उत्साह को करीब से देखा। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं और उनकी खेल भावना की सराहना की।

इस प्रतिस्पर्धा ने न केवल युवाओं को अपनी ताकत और कौशल दिखाने का मंच दिया, बल्कि उन्हें अनुशासन व समर्पण भावना के महत्व को भी

समझाया। ऐसे आयोजन न केवल खेलों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि हमारे युवाओं को जीवन के हर क्षेत्र में आत्मविश्वास और सफलता हासिल करने की प्रेरणा भी देते हैं। आयोजकों और प्रतिभागियों को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से रोहित सिंग, सुमित सिंग, जालंधर सिंग, अरुण सिंग तुसीफ अहमद,, आसिफ़ अली, अरमान, अभिनव नंदी,यश, राणा, पवन, चंदू देवांगन लक्ष्मीनारायण साहू, राजू जंघेल सोनू राजपूत देवेन्द्र कुमार साहू प्रकाश साहू रूपेश पारख सतीश चंद्राकर हरीश कुमार वर्मा राहुल देवांगन तोरण देशमुख ,विनय जैन मोनू चौधरी अनुपम साहू अजीत चौधरी सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

जिला अंत्यावसायी द्वारा ऋण वसूली के लिए हितग्राहियों से अपील, ठोस कार्यवाही की दी चेतावनी

महासमुंद(समय दर्शन)। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति महासमुंद द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए संचालित योजनाओं के तहत वितरित ऋण की वसूली प्रक्रिया तेज कर दी गई है। समिति ने सभी वर्गों के हितग्राहियों से अपील की है कि वे अपने द्वारा ली गई ऋण राशि को नियमित रूप से अदा करें। समिति ने स्पष्ट किया है कि ऋण अदायगी में लापरवाही बरतने वाले हितग्राहियों एवं उनके जमानतदारों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी। समिति ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, सफाई कामगार वर्ग, और अल्पसंख्यक वर्ग के लिए वितरित ऋण की वसूली हेतु समाज प्रमुखों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, और अन्य सम्माननीय व्यक्तियों से सहयोग की अपील की है। इसके साथ ही, ऋण वसूली जागरूकता शिविरों का आयोजन भी प्रस्तावित है। जो हितग्राही नगर निकाय और पंचायत चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं, उनके लिए ऋण वसूली की प्रक्रिया को और अधिक सख्त किया गया है। ऐसे हितग्राहियों को चुनाव नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले विभाग से ऋण मुक्त प्रमाण पत्र एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। ऋण अदायगी न करने पर नामांकन रद्द करने की चेतावनी दी गई है। जो हितग्राही जानबूझकर ऋण राशि जमा नहीं कर रहे हैं, उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। इसमें आर.आर.सी. के तहत बंधक जमीन की कुर्की एवं नीलामी, तथा पोस्टडेटेड चेक पर धारा 138 के तहत न्यायालय में केस दर्ज करने की प्रक्रिया शामिल होगी। समिति ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की लापरवाही के लिए संबंधित हितग्राही स्वयं जिम्मेदार होंगे।

अकादमिक मुद्दे व प्री बोर्ड परीक्षा को लेकर कलेक्टर ने लिया शिक्षा विभाग का बैठक

पाटन (समय दर्शन)। बच्चों की सीखने में आ रही अंतर एवं 10 वी, 12 वी के रिजल्ट को लेकर विभिन्न अकादमिक मुद्दों पर कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने सभी 57 संकुल प्राचार्य व संकुल समन्वयको से द्विपक्षीय चर्चा करते हुए समीक्षा किया।

प्री नेशनल एचिवमेंट सर्वे पर जिला द्वारा विनोबा एप के माध्यम से आयोजित परीक्षा के परिणाम पर चर्चा करते हुए काफी असंतोष व्यक्त की । बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान में बच्चों की स्तर भाषा में 35त्न एवं गणित में 33त्न रहा है जो निपुण स्तर से काफी पीछे है पर नाराजगी व्यक्त किया। दुर्ग को पहले शिक्षा के क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, यहां के सर्वाधिक बच्चें आई आई टी में चयनित होकर जाते थे।

आज की स्थिति यह है कि बोर्ड परीक्षा के टाप टेन में विरले हो गया है। इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए जिला व विकास खण्ड स्तर पर निरीक्षण की व्यवस्था को दुरुस्त करते हुए अगले तीन माह में रिजल्ट को बेहतर करने कमर कसने कहा, साथ ही सिलेबस को ईमानदारी से पूरा करते हुए पुनरावृत्ति करें,शिक्षण के दौरान कुंजी का उपयोग बिल्कुल न करें, यह बर्दाश्त नहीं होगा निर्देश दिया। विद्यालय में पिछले चार पांच माह में किया गया कार्य व तैयारी का समीक्षा कर, बेहतर करने , कैसे विकल्प आधारित प्रश्नो पर अभ्यास करें और इसके लिए विकास खण्ड एवं जिला स्तर पर कार्ययोजना सुनिश्चित कर प्राचार्य

व संकुल समन्वयक को व्यवस्था सुधारने निर्देशित किया। बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट पर असंतोष व्यक्त करते हुए बीईओ, बीआरसी संकुल समन्वयक को निरीक्षण के पैटर्न बदलकर निम्न तीन बिंदुओ पर फोकस होकर कार्य करने कहा पहला बिंदु- प्रत्येक बच्चों की कक्षा वार विषयवार आकलन होना चाहिए। दूसरा - 10वीं, 12वीं का रिजल्ट दोनों रुप में पासिंग व श्रेणी में सुधार होना चाहिए,एवं तीसरा बिंदु के रूप में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान अंतर्गत बच्चे निपुण स्तर पर आ जाए इसके लिए तीन माह का समय सीमा दिया गया और इसका समीक्षा अगले बैठक में किया जायेगा डीईओ व बीईओ को निर्देशित किया।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविन्द मिश्रा ने प्राचार्य व समन्वयकों से शाला व संकुल वार,उनके दायित्व व बेहतर परिणाम देने हेतु उनका क्या कार्ययोजना है? पर वन टू वन चर्चा किया । साथ में कक्षा 1 व 2 के सभी बच्चें में दो माह के अंदर अंक ज्ञान व अक्षर ज्ञान हो जाए हेतु संकुल समन्वयक को समय सीमा दिया । इस बीच अच्छा प्रदर्शन करने वाले समन्वयक व प्राचार्य को प्रोत्साहित भी किया।

प्री बोर्ड परीक्षा अंतर्गत प्रश्न का निर्माण ,ब्लूप्रिंट पर सहायक संचालक अमित घोष ने विस्तार से चर्चा संकुल प्राचार्य से किया।

परख से सम्बंधित चर्चा एपीसी श्री विवेक शर्मा समग्र शिक्षा दुर्ग द्वारा विस्तार से किया। डाइट दुर्ग से श्री संदीप दुबे परख नोडल एवं श्रीमती अनुजा मुरेकर दोनों के द्वारा परख से सम्बंधित जानकारी को साझा किया गया। समीक्षा बैठक के पूर्व बाल विवाह रोकथाम संकल्प का शपथ कलेक्टर मैडम द्वारा सभी से कराया गया। बीईओ पाटन प्रदीप कुमार महिलागें द्वारा विकास खण्ड स्तर पर किए जा रहा कार्य से अवगत कराते हुए अंत में आभार व्यक्त किया गया। समीक्षा बैठक में एसडीएम लवकुश कुमार ध्रुव, जनपद सीईओ मुकेश कुमार कोठारी, तहसीलदार ,नायब तहसीलदार, सीएमओ नगर पंचायत पाटन, बीआरसी खिलावन सिंह चोपडिया के साथ 57 संकुल के प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक उपस्थित थे।

सार समाचार

सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024 को खुलेगा

रायपुर। सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024 को खुलेगा। एंकर निवेशक बोली लगाने की तिथि गुरुवार, 28 नवंबर, 2024 है। बोली/प्रस्ताव बंद होने की तिथि मंगलवार, 3 दिसंबर, 2024 है। प्रस्ताव का प्राइस बैंड ? 420 प्रति इक्विटी शेयर से ? 441 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 34 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 34 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। आरंभिक सार्वजनिक पेशकश 19,189,330 इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए एक प्रस्ताव है, जिसमें डॉ. सोमनाथ चटर्जी द्वारा 2,132,148 इक्विटी शेयर, रितु मित्तल द्वारा 2,132,148 इक्विटी शेयर, सतीश कुमार वर्मा द्वारा 2,132,148 इक्विटी शेयर, ऑर्बिमेड एशिया द्वढ्ढ मॉरीशस लिमिटेड द्वारा 10,660,737 इक्विटी शेयर, मुन्ना लाल केजरीवाल द्वारा 799,556 इक्विटी शेयर और संतोष कुमार केजरीवाल द्वारा 1,332,593 इक्विटी शेयर शामिल हैं। कंपनी के इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफइंडिया लिमिटेड में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड इस ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

सैमसंग टीवी प्लस ने सैमसंग स्मार्ट टीवी पर वायाकॉम18 के चार नये 'फास्ट' चैनल लॉन्च करने की घोषणा की

रायपुर। सैमसंग टीवी प्लस, भारत में ब्रैंड की फ्री एड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग टीवी (फास्ट) सर्विस, ने चार नये फास्ट चैनल्स लॉन्च करने के लिए वायाकॉम18 के साथ साझेदारी की है। सैमसंग टीवी प्लस पर वायाकॉम18 के सुपरहिट बीट्स, कानफेड़ म्यूजिक, फुल्ली फालतू और कलर्स इनफिनिटी लाइट चैनलों को लॉन्च किया जाएगा। सैमसंग टीवी प्लस एक मुफ्त स्ट्रीमिंग सेवा है, जो सैमसंग स्मार्ट टीवी में पहले से इंस्टॉल है। यह चुनिंदा देशों में चैनलों न्यूज, स्पोर्ट्स, एंटरटेनमेन्ट, आदि विभिन्न चैनलों की पेशकश करता है। भारत में, सैमसंग टीवी प्लस दर्शकों के लिये 100 से ज्यादा लाइव टीवी चैनलों, हजारों फिल्मों तथा शोज भी लेकर आया है। यह लाइव और ऑन-डिमांड, दोनों होते हैं। सैमसंग टीवी प्लस इंडिया में पार्टनरशिप्स के हेड कुणाल मेहता ने कहा, ''हम सैमसंग टीवी प्लस प्लेटफॉर्म पर पार्टनर के तौर पर वायाकॉम18 का स्वागत करते हुए उत्साहित हैं। हम भारत में अपने दर्शकों के लिये विभिन्न तरह के कंटेन्ट के विकल्प लाने के लिये प्रतिबद्ध हैं।

संविधान दिवस पदयात्रा में मुख्यमंत्री सहित मंत्रीगण और विधायक हुए शामिल

संविधान भारत की सदियों पुरानी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का आइना : मुख्यमंत्री साय

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज प्रात: संविधान दिवस पदयात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। संविधान दिवस पदयात्रा पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सभागृह से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक पर समाप्त हुई। मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस पदयात्रा में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, विधायकगण इंद्र कुमार साहू, गुरु खुशवंत साहेब, अनुज शर्मा, महिला आयोग की सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा और युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वजीत तोमर शामिल थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सभागृह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संविधान भारत की सदियों पुरानी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का आइना है। यह संविधान हमारे सदियों के संघर्ष, अनुभव और उपलब्धियों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज के दिन 26 नवंबर से संविधान दिवस 2024 के आयोजन की शुरूआत हुई है। आज भारत के संविधान को आत्मसात किए 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बात को समझना होगा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने इस तस्वीर के माध्यम से हमें क्या संदेश दिया है। संविधान में ऐसे ही अनेक चित्र और संकेत हैं, जिनके माध्यम से संविधान निर्माताओं ने इंगित किया है कि हमें भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के साथ लोकतंत्र को आगे बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी हमारे संविधान की एक बड़ी विशेषता है कि इसमें परिवर्तनशील समय के अनुरूप आवश्यकता पड़ने पर संशोधन का भी प्रावधान है। हमारे संविधान निर्माताओं ने देश पर हमारे संविधान निर्माताओं ने जहां पर मौलिक अधिकारों की बात लिखी है, वहां भगवान श्रीराम, माता सीता और भइया लक्ष्मण की तस्वीर अंकित की है। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर तब की है जब भगवान श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या लौट रहे थे। हमें अपनी इच्छाओं और विचारों को लादा नहीं, बल्कि अपनी दूरदर्शिता से भावी पीढ़ी के लिए यह गुंजाइश छोड़ी कि वह अपने समय की परिस्थितियों, अपने समय के ज्ञान, अपने समय की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें संशोधन कर सकें।

एक परिवार की तीन पीढ़ी को मिल रहा महतारी वंदन योजना का लाभ

परिवार ने की पांच बेटियों की शिक्षा से शादी तक की प्लानिंग

रायपुर(समय दर्शन)। राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और आर्थिक संबल का एक बड़ा जरिया बन गया है, छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में महतारी वंदन योजना से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को बल मिल रहा है। कबीरधाम जिले के बोडला विकासखंड के ग्राम भोंदा निवासी मरार पटेल का संयुक्त परिवार आज हितग्राही परिवारों के लिए प्रेरणा है।इस परिवार में सदाराम पटेल, उनके छोटे भाई रामकुमार पटेल सपत्नीक, बेटों, बहुओं और पोते-पोतियों के साथ रहते हैं। इस परिवार के तीन पीढ़ियों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। महतारी वंदन योजना से यह परिवार आर्थिक मजबूती हासिल कर बेटियों के उज्वल भविष्य के लिए ठोस योजनाएं भी बना रहा है। सदाराम पटेल और उनकी पत्नी श्रीमती सुखबती पटेल के दो बेटे और बहुएं हैं। बड़ी बहू श्रीमती दिलेश्वरी (पति गीताराम) और उनके तीन बच्चे बरखा, अंजू और प्रभा। दूसरी बहु श्रीमती मनीषा (पति जगियाराम) और उनका बेटा मिंताशु है। सदाराम के छोटे भाई रामकुमार पटेल और उनकी पत्नी श्रीमती बीरझा बाई के भी दो बेटे और बहुएं हैं। बड़ी बहू श्रीमती अनिता (पति नरेन्द्र) जिनके दो बेटे और एक बेटी हैं। इसी तरह दूसरी बहु श्रीमती गनेशिया (पति फगियाराम) और उनकी एक बेटी है। परिवार की बहुओं और माताओं ने महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने योजना से मिलने वाली राशि को बेटियों की शिक्षा और शादी के लिए उपयोग करने का मन बनाया है। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना और ग्रामीण डाक जीवन बीमा में लाभकारी योजना में निवेश का निश्चय किया है। उनका कहना है कि इस योजनाओं से बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। योजनाएं 2039-40 तक उनके बच्चों के भविष्य के लिए आर्थिक रूप से सहायक साबित होंगी।

हसदेव नदी-जंगल बचाओ पदयात्रा की शुरुआत में रायपुर से डॉ. सत्यजीत साहू एवं डॉ. उदयभान हुए शामिल

रायपुर(समय दर्शन)। हसदेव नदी-जंगल बचाओ पदयात्रा 24 नवंबर को नेहरू चौक बिलासपुर से प्रारंभ हुई। हसदेव बचाओ के नारों के साथ यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए पाली तानाखार से विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम, जाने माने राजनीतिक व्यक्तित्व नंद कश्यप, शिवा मिश्रा उपस्थित थे। पूर्व विधायक शैलेश पांडेय ने पदयात्रा के साथ दयालबंद तक चलकर अपना समर्थन व्यक्त किया। पदयात्रा आज प्रथम दिन नेहरु चौक से प्रारंभ होकर शहर के मध्य सदर बाजार गोल बाजार गांधी चौक दयालबंद मोपका होते हुए जयरामनगर तक शाम 7 बजे पहुंची। आज पदयात्रा में रायगढ़ से राधेश्याम शर्मा, रायपुर से डॉक्टर सत्यजीत साहू, डॉक्टर उदयभान सिंह चौहान, प्रयोग आश्रम तिल्दा से सीताराम सोनवानी, जन स्वास्थ्य सहयोग गनियारी से मती सुरभी, यदुनंदन नगर तिफरा से अजय मिश्रा और सुरज दुबे तथा प्रियंका उपाध्याय ने भागीदारी कर समर्थन दिया। मोपका चौक पर पार्षद सु संध्या तिवारी, पार्षद लाला और महिमा मिश्र ने अनेक नागरिकों के साथ पदयात्रियों का फूल व फूलमालाओं से स्वागत किया। आज पदयात्रा में महमूद आलम के निवास स्थान विजडम हाउस गार्डन में मध्य का विश्राम किया गया। पदयात्रियों ने रास्ते में पड़ने वाले ग्रामों में नागरिकों को हसदेव नदी व जंगल के महत्व को बताया और उसे बचाने के लिए जागरूक किया।

महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने छत्तीसगढ़ में कौशल विकास उपलब्धियों का जश्न मनाया

रायपुर (समय दर्शन)। महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने छत्तीसगढ़ में जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सोसाइटी, रायपुर में 'ट्रैक्टर टेक' कौशल विकास कार्यक्रम के अपने पहले बैच के सफल समापन की घोषणा की है ङ्क यह छत्तीसगढ़ राज्य में इस तरह का पहला कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले युवा प्रतिभागियों को एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफइंडिया (स्ष्ठङ्क) से उनके कौशल प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे, जो उनके करियर की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। महिंद्रा ट्रैक्टर्स 'ट्रैक्टर टेक' कौशल विकास कार्यक्रम उम्मीदवारों को उद्योग से संबंधित कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसके बाद ग्रामीण युवाओं, दोनों युवा पुरुषों और महिलाओं के लिए ऑन-जॉब प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करता है, जो भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए कौशल विकास पर माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के फोकस के साथ संरेखित है। महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने ट्रैक्टर सेवा, बिक्री और असेंबली के क्षेत्रों में कौशल विकास को कवर करने वाला एक अनूठा पाठ्यक्रम तैयार किया है, जिसे इस क्षेत्र में अनुभवी महिंद्रा ट्रैक्टर्स के प्रशिक्षकों द्वारा वितरित किया जाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, युवाओं को गतिशीलता और मशीनीकरण में नवीनतम उपकरणों पर व्यावहारिक अनुभव मिलता है। इस कार्यक्रम के पूरा होने पर, केंद्र के युवाओं को जिला परियोजना आजीविका महाविद्यालय सोसायटी, रायपुर, छत्तीसगढ़ के साथ संयुक्त रूप से आयोजित महिंद्रा ट्रैक्टर्स 'प्लेसमेंट दिवस' के अवसर पर कैरियर के अवसरों से जोड़ा गया। ये अवसर महिंद्रा की डीलरशिप और विनिर्माण संयंत्रों में बिक्री, सेवा और असेंबली भूमिकाओं के अलावा अन्य संगठनों में भी उपलब्ध थे।

जिंदल वर्ल्डवाइड लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए शानदार आय का प्रदर्शन किया, शुद्ध लाभ में 35 .2 प्रतिशत की सालाना वृद्धि

रायपुर। जिंदल वर्ल्डवाइड लिमिटेड (बीएसई: 531543, एनएसई: JINDWORLD), एक विविधीकृत और एकीकृत कपड़ा फैब्रिक्स और शर्टिंग निर्माता तथा दुनिया के सबसे बड़े डेनिम फैब्रिक निर्माताओं में से एक, ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त होने वाली तिमाही और छमाही के लिए अपनी आय की रिपोर्ट प्रस्तुत की है। 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही मे संचालन से राजस्व में सालाना 45.70% की वृद्धि होकर यह रुपे 5708 मिलियन हो गया, जो नॉर्मलाइज्ड बिजनेस ऑपरेशंस और तैयार कपड़ों की घरेलू एवं निर्यात बाजार की बढ़ती मांग के कारण हुआ। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही मे एबिटा में सालाना 38.30% की वृद्धि होकर यह रुपे 484 मिलियन हो गया, जिसने परिचालन लाभ में प्रमुख सुधार दिखाया। कर से पूर्व लाभ (Profit Before Ta&) में 44.78% की वृद्धि हुई। शुद्ध लाभ में सालाना 35.2न्न की उन्नति हुई, जो पिछले वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के रुपे 128 मिलियन से वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही मे बढ़कर रूपे 173 मिलियन हो गया। 30 सितंबर 2024 को समाप्त पहली छमाही के लिए, संचालन से राजस्व रूपे. 10,582 मिलियन के रूप में रिपोर्ट किया गया, जो सालाना 31.9% की वृद्धि दर्शाता है। एबिटा में 23.2% की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही मे रुपए 771 मिलियन से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही मे रुपए 950 मिलियन हो गया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री टी. मल्लू भट्टी ने नई दिल्ली में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की.

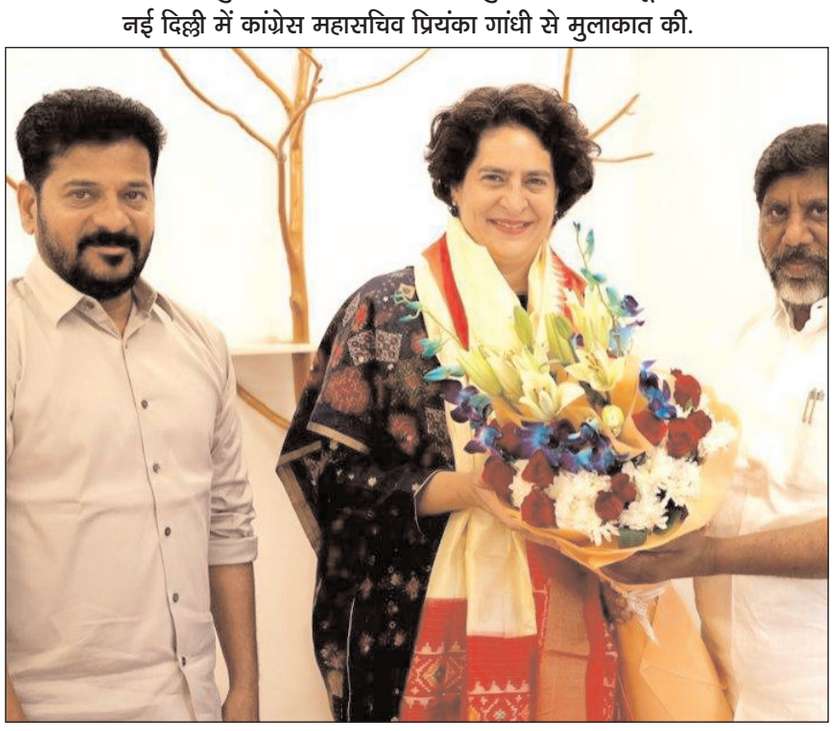

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड की सिंगापुर सब्सिडीएरी ने 12,000 मीट्रिक टन चावल का ऑर्डर प्राप्त किया, 2000 मिलियन रुपये वार्षिक राजस्व की योजना

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड (बीएसई: 543688, एनएसई: SARVESHWAR), जो कि आईएसओ 22000:2018 और यूएसएफडीए द्वारा प्रमाणित एग्रो प्रोडक्ट एफएमसीजी क्षेत्र में एक प्रमुख कंपनी है, ने घोषणा की है कि इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, ग्रीन प्वाइंट पीटीई. लिमिटेड, सिंगापुर ने प्रीमियम भारतीय लांग ग्रेन पारबॉयल्ड चावल की 12,000 मीट्रिक टन की आपूर्ति के लिए एक बड़ा ऑर्डर प्राप्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 445 मिलियन रुपये है। यह ऑर्डर सहायक कंपनी की रणनीतिक योजना का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष में 2000 मिलियन रुपये का व्यवसाय प्राप्त करना है। हाल ही में अधिग्रहित ग्रीन प्वाइंट पीटीई, जो कि सिंगापुर में स्थित है, चावल और चावल आधारित उत्पादों के बढ़ते वैश्विक बाजार के लिए एक गेटवे के रूप में कार्य करता है। यह ऑर्डर सर्वेश्वर फूड्स की स्थिति को मजबूत करता है, वैश्विक चावल आधारित उत्पादों का बाजार 2023 में 226.36 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2031 तक 361.41 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है, जो ग्लूटेन-फ्री विकल्पों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। सीलिएक रोग और ग्लूटेन असहिष्णुता की बढ़ती प्रवृत्ति, साथ ही चावल-आधारित उत्पादों के स्वास्थ्य लाभों जैसे कि कम वसा और उच्च फाइबर के बारे में जागरूकता, वैश्विक मांग को बढ़ा रही है। ग्रीन प्वाइंट पीटीई. लिमिटेड इस तेजी से बढ़ते क्षेत्र में महत्वपूर्ण मार्केट शेयर हासिल करने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित है।

हम बिजली ही नहीं देश के लिए खिलाड़ी भी पैदा करते हैं: डॉ. रोहित यादव

अ.भा. लॉन टेनिस में केरल विजेता, उ.प्र. उपविजेता, छत्तीसगढ़ तीसरा

रायपुर(समय दर्शन)। 46वीं अखिल भारतीय विद्युत लॉन टेनिस स्पर्धा के समापन समारोह में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने कहा कि यह बहुत ही सुखद है कि राज्य विद्युत कंपनियों, मण्डलों, निगमों में खेल-कूद की गतिविधियों पर ध्यान दिया जाता है। जिसके कारण यहां की प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर योगदान कर रही है तथा भारतीय टीम में भी जगह बनाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि यह गौरव का विषय है कि हम देश के लिए सिर्फ बिजली ही नहीं पैदा करते बल्कि खिलाड़ी भी पैदा करते है और सिर्फ बिजली आपूर्ति ही नहीं करते बल्कि देश के लिए खिलाड़ियों की आपूर्ति भी करते हैं। स्पर्धा के समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. रोहित यादव ने कहा कि हमारे जीवन में खेल का बहुत अधिक महत्व है। नौकरी में आने के बाद सामान्यत: खेलना छूट जाता है लेकिन आप सभी खिलाड़ियों ने अपने बचपन के सपने को अभी भी जीवंत रखा है यह सराहनीय है। खेल से जहां एक तरफ शरीर स्वस्थ रहता है वहीं दूसरी ओर यह काम-काज के तनाव को भी दूर करता है। खेल का यह अनुभव किसी किताब या किसी स्कूल में नहीं मिलेगा। यह पॉवर कंपनी के कर्मियों में एकता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके कटियार, ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। केंद्रीय क्रीडा एवं कला परिषद के महासचिव एम.एस. चौहान ने स्वागत भाषण दिया। तीन दिनों तक चली लॉन टेनिस स्पर्धा में केरल के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। टीम इवेंट में केरल राज्य विद्युत मण्डल विजेता रही। उपविजेता का खिताब उत्तरप्रदेश को मिला। तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की टीम रही। ओपन सिंगल्स में केरल के सूरज एच प्रथम रहे, दूसरे स्थान पर असम के श्री वाय.ए. अहमद एवं तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ के रजनीश ओबेरॉय रहे। इसी तरह ओपन डबल्स में केरल के श्री सूरज एच एवं गौतम कृष्णा विजेता रहे।

एचडीएफसी बैंक ने अर्ध-शहरी और ग्रामीण भारत के लिए प्रगति बचत खाता शुरू किया

मुंबई: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने प्रगति बचत खाते के लॉन्च की घोषणा की, जिसे विशेष रूप से भारत भर में ग्रामीण और अर्ध-शहरी लोगों की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी 51 प्रतिशत शाखाओं के साथ, एचडीएफसी बैंक ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना जारी रखता है। एचडीएफसी बैंक द्वारा प्रगति बचत खाते का उद्देश्य भारत के कृषि क्षेत्र के लिए एक व्यापक बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है, जिसमें किसान (पारंपरिक और मवेशी प्रजनन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और डेयरी फार्मिंग दोनों), स्व-नियोजित व्यक्ति, ग्रामीण निवासी, स्वयं सहायता समूह और सहकारी समितियाँ शामिल हैं। अर्ध-शहरी और ग्रामीण स्थानों में एचडीएफसी बैंक की 4600 से अधिक शाखाएँ भारत की लगभग दो तिहाई आबादी तक पहुँचने के लिए उत्पाद का लाभ उठाने के लिए एक 'टचपॉइंट' के रूप में कार्य करेंगी, जिससे ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, नई पेशकश में कई उद्योग-प्रथम सुविधाएँ शामिल होंगी, जैसे कि बिगहाट के साथ साझेदारी, जिससे 17 मिलियन से अधिक किसानों को छूट और बेहतर उत्पादकता के लिए कृषि संसाधनों तक पहुँच प्राप्त होगी। इसके अलावा, बैंक एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी में टू-व्हीलर लोन (टीडब्ल्यूएल), ट्रैक्टर लोन (टीआरएल), गोल्ड लोन, किसान गोल्ड कार्ड (केजीसी) उत्पादों और मवेशी बीमा पर डिस्काउंटेड एसेट ऑफर सहित कई तरह के क्यूरेटेड प्रस्ताव लेकर आया है।

संपादकीय

कंपनियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए

देश के कानून का उल्लंघन करने वाली कंपनी को अवश्य ही दंडित किया जाना चाहिए। बहरहाल, ऐसे कदम उठाते समय जांच एजेंसियों को यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि वे ना सिर्फ निष्पक्ष रहें, बल्कि निष्पक्ष दिखें भी। ई-कॉमर्स क्षेत्र की फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसी कंपनियों ने भारतीय कानून को तोड़ा हो, तो बेशक उन पर प्रावधान के अनुरूप सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ये दोनों अमेरिकी स्वामित्व वाली कंपनियां हैं (फ्लिपकार्ट में लगभग तीन चौथाई हिस्सा वॉलमार्ट का है)। भारत के ई-कॉमर्स बाजार का सबसे बड़ा हिस्सा उनके पास ही है। एक अनुमान के मुताबिक 70 बिलियन डॉलर के इस बाजार में फ्लिपकार्ट का हिस्सा 32 और अमेजन का 24 फीसदी है। खबर है कि प्रवर्तन निदेशालय ने इनके विक्रताओं पर छापा मारा। उसके बाद इन कंपनियों के अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। आरोप है कि इन कंपनियों ने विदेशी निवेश संबंधी कानून का उल्लंघन किया। इस कानून के तहत विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियां विक्रेताओं के बीच भेदभाव नहीं कर सकतीं। साथ ही ये विक्रेताओं से सामान खरीद कर अपना भंडार नहीं बना सकतीं। अमेजन और फ्लिपकार्ट का कहना है कि उन्होंने किसी कानून का उल्लंघन नहीं किया। मगर ईडी का दावा है कि उसके पास इन कंपनियों के खिलाफ ठोस सबूत हैं। निर्विवाद है कि हर कंपनी- चाहे वो देशी हो या विदेशी- उसे सख्ती से देश के कानून का पालन करना चाहिए। कोई कंपनी ऐसा नहीं करती, तो उसे अवश्य ही दंडित किया जाना चाहिए। बहरहाल, जांच एजेंसियों को ऐसे कदम उठाते समय यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि वे ना सिर्फ निष्पक्ष हों, बल्कि निष्पक्ष दिखें भी। इस संदर्भ में यह बात इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि गुजरे वर्षों में ऐसी धारणा (जो संभव है कि निराधार हो) बनी है कि भारत सरकार के कुछ पसंदीदा उद्योग घराने हैं और जब उनके हित किसी विदेशी (या देशी) कंपनी से टकराते हैं, तो जांच एजेंसियां अति सक्रिय हो जाती हैं। अतीत में वर्तमान सरकार से ही जुड़े रहे कुछ अर्थशास्त्रियों ने इस धारणा को भारत में विदेशी निवेश के रास्ते में मौजूदा रुकावटों में एक बताया है। यह समय अंतरराष्ट्रीय कारोबार के लिए प्रतिकूल है। इस वर्ष भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भारी गिरावट आई है। इस हाल में उपरोक्त धारणा को तोडऩा अत्यधिक आवश्यक हो गया है। आशा है, ईडी इस अपेक्षा के प्रति जागरूक होगी।

उदास लोगों का देश बनना भारत की एक त्रासदी

ललित गर्ग

भारत उदास, निराश एवं थके हुए लोगों का देश बनता जा रहा है। हम प्रसन्न समाजों की सूची में अव्वल नहीं आ पा रहे हैं। आज अक्सर लोग थके हुए, उदास, निराश नज़र आते हैं, बहुत से लोग हैं जो रोज़मर्रा के काम करने में ही थक जाते हैं। उनका कुछ करने का ही मन नहीं होता। छोटे-मोटे काम भी थकाऊ और उबाऊ लगते हैं। विडम्बना तो यह है कि लम्बे विश्राम एवं लम्बी छुट्टियों के बाद भी हम खुद को तरोताजा नहीं बना पा रहे हैं। भारत में ऐसे लोगों का प्रतिशत लगभग 48 तक पहुंच गया है, जो चिन्ता का बड़ा सबब है। ऐसे थके एवं निराश लोगों के बल पर हम कैसे विकसित भारत एवं नये भारत का सपना साकार कर पायेंगे? यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार थके हुए लोगों के देश के रूप में पहचाने जा रहे है। खुशहाल देशों की सूची में भी हम सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं।

हर साल जारी होने वाली वर्ल्ड हैपिनेस रिपोर्ट, जो संयुक्त राष्ट्र सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क की प्रस्तुति है, बताती है कि कौन देश सबसे ज्यादा खुश और कौन से देश सबसे ज्यादा दुखी हैं? वैश्विक स्तर पर खुशी का स्तर तय करने के कई पैमाने है, जिनमें लोगों की आजादी, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, आय जैसी बातें शामिल होती हैं। सबसे अधिक दुखी देशों की लिस्ट में पहला नाम अफगानिस्तान का आता है। इस लिस्ट में भारत की रैंकिंग भी बेहद निराश करने वाली है। भारत में उदास एवं निराश लोगों की स्थिति के कई कारण हो सकते हैं-जनसंख्या वृद्धि दर ज्यादा होना, कृषि पर ज्यादा निर्भरता, आर्थिक विकास की दर कम होना, बेरोज़गारी, अशिक्षा, आय में असमानता, भ्रष्टाचार, आंतरिक द्वेष, कमज़ोर आर्थिक नीतियां एवं जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया। दु:ख जीवन के उतार-चढ़ाव का एक अभिन्न अंग है। जिस तरह इंसान खुशी, निराशा, उदासी, गुस्सा, गर्व आदि भावनाओं को महसूस करता है, उसी तरह हर कोई समय-समय पर दु:ख महसूस करता है। दु:ख कभी-कभी इंसान को मोटीवेट करने में भी मदद कर सकता है, लेकिन यह जिजीविषा, खुशहाली, सक्रियता, जोश को भी कम करता है। दुनिया की खुशहाल देशों की सूची में भारत इस वर्ष 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह रैंक पिछले साल के मुकाबले बिल्कुल वही रही है। भारत के पड़ोसी देशों में चीन 60वें, नेपाल 93वें, पाकिस्तान 108वें, म्यांमार 118वें, श्रीलंका 128वें और बांग्लादेश 129वें स्थान पर है।

भारत दुनिया का सबसे उदास देश है। शोधों के निष्कर्ष बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन एवं अत्यधिक गर्मी के कारण 2100 तक भारत में हर साल 15 लाख लोगों की मौत हो सकती है? इसी कारण उदास लोगों की संख्या भी बढ़ सकती है। 2018 की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत सबसे अधिक अवसादग्रस्त देशों की सूची में सबसे ऊपर है। भले ही भारतीयों को स्वभाव से समायोजित और संतुष्ट लोगों के रूप में जाना जाता है, लेकिन यह पता चला है कि वे सबसे अधिक उदास भी हैं। एक तरफ हम खुद को किसी भी चीज़ में आसानी से समायोजित कर लेते हैं, चाहे वह कम पैसा हो, खराब सड़कें हों, बुनियादी ढाँचे की कमी हो या कुछ भी हो। नेशनल केयर ऑफ मेडिकल हेल्थ के एक अध्ययन के अनुसार लगभग 6.5 प्रतिशत भारतीय गंभीर मानसिक स्थितियों से पीड़ित हैं, चाहे वे ग्रामीण हों या शहरी। सरकार जागरूकता कार्यक्रम चला रही है लेकिन मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य डॉक्टरों की भी कमी है।

भारत के मानव-स्वभाव में उग्र हो रही उदासी एवं निराशा का बड़ा कारण प्रदूषित हवा एवं पर्यावरण है। शुद्ध वायु में ही जीवन है और उसी में जीवन की सकारात्मकता एवं जीवन-ऊर्जा समाहित है। यही हमारी अराजक जीवन शैली को संयमित कर सकती है। कुछ ऐसे रोग जो उपचार योग्य नहीं माने जाते, उन पर अंकुश लगा सकती है। व्यक्ति अपने घर में आहार-विहार को संतुलित करके भी उत्साही एवं प्रसन्न होने का प्रयास कर सकता है। हम सूरज के उगने से पहले उठें। धूप में न बैठने से हम विटामिन डी की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शरीर में उदासी एवं निराशा बढ़ जाती हैं। आमतौर पर विदेशों में लोग नवंबर से जनवरी तक सूर्य स्नान लेते हैं जिससे लोगों को विटामिन-डी मिल जाता है। आज आम लोग शारीरिक श्रम नहीं करते। खान-पान की चीजों में भारी मिलावट है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। पारिवारिक जीवन अनेक दबावों से घिरा है, कॉरपोरेट संस्कृति में रिश्ते, स्वास्थ्य एवं खुशहाली बहुत पीछे छूट रही है। वास्तव में अधिकांश आधुनिक रोग काम न करने की बीमारी है। हम लोग दिमाग को थका रहे हैं, शरीर को नहीं थका रहे हैं। इसी वजह से शरीर को ?भुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है। स्वस्थ रहने के लिये जरूरी है हम आहार सही ढंग से लें। दरअसल हमारा आहार दवा है। देर रात भोजन करना, देर रात तक जगना एवं सुबह देर से उठना शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। इन्हीं जटिल से जटिलतर होती स्थितियों ने हमें उदासी दी है। वैसे उदासी, निराशा, थकावट, दुख या खुशी एक ऐसी अवस्था है, जिस पर किसी सर्वे के जरिये एकमत नहीं हुआ जा सकता। फिर भी, ऐसी सूचियों से सकारात्मक प्रेरणा लेते हुए प्रसन्न, उत्साही, सक्रिय समाज की संरचना के लिये तमाम तरह के प्रयास करने में ही भलाई है।

हमारा शीर्ष नेतृत्व आजादी के बाद से ही निरन्तर आदर्शवाद और अच्छाई का झूठ रचते हुए सच्चे आदर्शवाद के प्रकट होने की असंभव कामना करता रहा है, इसी से जीवन की समस्याएं सघन होती गयी है, इसी ने उदासी को बढ़ाया है, नकारात्मकता का व्यूह मजबूत होता गया है, खुशी, उत्साही, जोशीला एवं प्रसन्न जीवन का लक्ष्य अधूरा ही रहा है, इनसे बाहर निकलना असंभव-सा होता जा रहा है। दूषित और दमघोंटू वातावरण में आदमी अपने आपको टूटा-टूटा सा अनुभव कर रहा है। आर्थिक असंतुलन, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था एवं भ्रष्टाचार उसकी धमनियों में कुत्सित विचारों का रक्त संचरित कर रहा है। ऐसे जटिल हालातों में इंसान कैसे खुशहाल, जोशीला एवं सकारात्मक जीवन जी सकता है? इन गहन अंधेरों से बाहर निकलते हुए विगत एक दशक में सरकारों के कामकाज एवं नीतियों से एक आशावाद झलका है, लेकिन इंसानों का लगातार निराश एवं उदास होते जाना एक बड़ी चुनौती है।

वैसे भी खुशी, जोश एवं उत्साह महसूस करना व्यक्ति के खुद की सोच पर निर्भर करता है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी जोश, तरोताजगी एवं उत्साह का पैमाना क्या हो? विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट, जोशीला, तरोताजा और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह निराशा एवं उदासी को कम कर पायेगा। कृत्रिम बौद्धिकता, डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं कंकाली दी है। समस्याओं के घनघोर अंधेरों के बीच उनका चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय और खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है।

सर्वोच्च न्यायालय जनता की अदालत है

ओमप्रकाश मेहता

भारत की न्याय पालिका हमारे संविधान की मंशा के अनुरूप ही काम कर रही है तथा भारत का सर्वोच्च न्यायालय अमेरिका जैस नही है, जहां मामले दशकों तक लम्बित रहते है, हमारी ओर से दिन में जितने मामलों का निराकरण होता है उतने तो कई पश्चिमी देशों में एक वर्ष में भी नही दिया जाताये उद्गार भारत की न्याय व्यवस्था व न्याय में कथित विलम्ब के आरोप पर सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने व्यक्त किए, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सर्वोच्च न्यायालय जनता की अदालत है और उसे अपनी इस भूमिका का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कानून के अनुरूप करना चाहिए। उन्होंने न्याय पालिका से उस पर पक्षपात व न्याय संहिता के विपरीत काम करने के आरोपों पर अपना मन्तव्य व्यक्त किया। उन्होंने न्याय पालिका की प्रजतांत्र में अहम् भूमिका भी प्रतिपादित की। जस्टिस चंद्रचूड ने न्याय पालिका को स्पष्ट हिदायत दी कि उसे देश के सामने प्रतिपक्षी दल की भूमिका में कतई सामने नहीं आना है, क्योंकि न्याय पालिका ही वर्तमान प्रजातंत्र के तीन अंगों कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका में आज विश्वसनीय रही है तथा देश की जनता को सिर्फ और सिर्फ प्रजातंत्र के इसी अंग के प्रति विश्वास व निष्ठा शेष बची है। माननीय मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के इस दावे की सच्ची व ईमानदारी समीक्षा तो जनता के स्तर पर होगी, किंतु इसी बीच यह आरोप भी सच है कि देश की विभिन्न अदालतों में कई वर्षों से करोड़ों मामले लम्बित है इन अदालतों में सर्वोच्च न्यायालय भी शामिल है, यहां यह उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने मुकदमों के निराकरण को शीघ्र व निश्चित समयसीमा में करने को सही तो बताया था लेकिन इसे असंभव भी करार दिया था, क्योंकि उनका सरकार पर स्पष्ट आरोप था कि करोड़ों लम्बित मामलों को निपटाने के लिए पर्याप्त न्यायाधीश, न्यायालय और अमला नही है, जिसकी सरकार पूर्ति नही कर पा रही है, यदि पर्याप्त अदालतें, न्यायाधीश व अमला हो तो लम्बित मामले शीघ्र ही निपाटाए जा सकते है। न्याय पालिका के इस जवाब पर केन्द्र सरकार पूरी तरह मौन है। अब यह समझ से परे है कि सरकार की इस मामले में दिलचस्पी क्यों नही है? यहां यह विचारणीय है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा सरकार पर पूरा ठीकरा फोडने के बजाए स्वयं उसे ही अपने स्तर पर इस दिशा में प्रयास किए जाने चाहिए और चूंकि सर्वोच्च न्यायालय देश के उच्च न्यायालयों से लेकर जिला स्तर तक की अदालतों के लिए मार्गदर्शक बिन्दू है, इसलिए सर्वोच्च न्यायालय को इस दिशा में आदर्श स्थापित करना चाहिए, फिर उसी का अनुसरण निचली अदालतें भी करेगी। फिर वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा करने वालों को आशा की कोई किरण नजर आएगी। किंतु अब फिर वही सवाल है कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को यह कहने को क्यों बाध्य होना पड़ा कि %%सुप्रीम कोर्ट को प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने की जरूरत नहीं'', उनका कहना था कि %%क्या यह किसी से भी छिपा है कि पिछले कुछ समय से सरकार के हर फैसले और यहां तक कि संसद से पारित प्रत्येक कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौति देने का सिलसिला निकल पड़ा है?' यदि सुप्रीम कोर्ट जनहित याचिकाओं के सहारे सरकार एवं संसद के हर फैसले की समीक्षा करेगा और यहां तक की कानूनों की वैधानिकता को परखे बिना उसके अमल पर रोक लगा देगा, जैसा कि कृषि कानूनों के बारे में हुआ था, तो फिर तो वह विपक्ष की भूमिका में ही नजर आएगा? यदि सर्वोच्च न्यायालय को जनता की अदालत के रूप में अपनी छवि को मजबूत करना है तो उसे संसद के हर फैसले की समीक्षा करना छोडना होगा और देश की जनता को तय समय पर शीघ्र व सस्ता न्याय देने की पहल करनी होगी, यही प्रजातंत्र की अपने इस अंग से अपेक्षा है।

आतंकवाद पर रुख स्पष्ट करे सियासत

प्रताप सिंह पटियाल

'सेवा अस्माकं धर्म:', अर्थात 'राष्ट्र की सेवा हमारा धर्म है।' यह प्रसंग भारतीय थलसेना का आदर्श वाक्य है। सेना के लिए राष्ट्र हमेशा सर्वोपरि रहा है। इसीलिए देश सुरक्षित है। मगर देश पर हुक्मरानी करने वाले सियासी निजाम के लिए वोट बैंक व सत्ता सर्वोपरि होती है। इस नवंबर महीने में वीरभूमि हिमाचल के हिस्से दो और सैन्य बलिदानों का इजाफा हो गया। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में सेना की 'दो पैरा स्पेशल फोर्स' के जेसीओ राकेश कुमार दस नवंबर 2024 को आतंकियों से लड़ते बलिदान हो गए। 13 नवंबर को हवलदार सुरेश कुमार 'डोगरा रेजिमेंट' लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वीरगति को प्राप्त हो गए। राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने की सैन्य परंपरा को निभाने वाले दोनों सपूतों का संबंध मंडी जिला से था। डोगरा शासकों के समय से लेकर मौजूदा दौर तक जम्मू कश्मीर के लिए हिमाचल प्रदेश के रणबांकुरों की दास्तान-ए-सुजात की फेहरिस्त काफी लंबी है। जम्मू कश्मीर रियासत के जरनैल 'जोरावर सिंह कहलूरिया' ने डोगरा सल्तनत की सरहदों को अफगानिस्तान से लेकर तिब्बत के महाज तक विस्तार देकर लद्दाख के रणक्षेत्र में अपना बलिदान दिया था।

कैप्टन संजय चौहान 'शौर्य चक्र', पवन घंगल 'कीर्ति चक्र', कुलभूषण मांटा 'शौर्य चक्र' तथा सूबेदार संजीव कुमार 'कीर्ति चक्र' जैसे हिमाचल के सैंकड़ों बहादुर सैनिकों ने कश्मीर की सुरक्षा के लिए आतंकवाद से लडक़र अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। लेकिन देश की फिजाओं में हरदम सियासी माहौल रहता है। सियासी हुक्मरान देश का राष्ट्रीय खेल बन चुकी सियासत में मशगूल रहते हैं। सियासत जाति, मजहब व वंशवाद की तवाफ करती है। मुल्क का मीडिया सियासत की तवाफ करता है। नतीजतन फिद्दा-ए-वतन हो रहे जांबाजों का सर्वोच्च बलिदान कभी न्यूज चैनलों की सुर्खियां नहीं बनता। युवा वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत हमारा गौरवशाली सैन्य इतिहास कभी शिक्षा पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं बना। सैनिकों की रक्तरंजित शूरवीरता पर मायानगरी के अदाकार फिल्में बनाकर करोड़ों रुपए कमा लेते हैं, मगर वतन-ए-अजीज की हशमत के लिए अपनी जान का नजराना पेश करने वाले वास्तविक नायक गुमनामी के अंधेरे में खो जाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से जम्मू कश्मीर भारत के लिए एक मुद्दत से चुनौती बन चुका है। मुल्क के नीति-निर्माताओं के गलत फैसलों का खामियाजा सैनिक व सैन्य परिवार भुगत रहे हैं। कश्मीर हथियाने के लिए चार बड़े युद्धों में मिली शर्मनाक शिकस्त के बदनुमां दाग मिटाने के लिए पाक सेना ने भारत के खिलाफ आतंक को अपना हथियार बनाया। मजहबी रहनुमाओं की जहरीली तालीम ने युवाओं को जन्नत में बहत्तर हूरों का जहालत भरा ख्वाब दिखाकर उनके जहन में मजहबी जिहाद का मवाद भरकर उन्हें हथियार उठाने के लिए प्रेरित किया। पाक परस्त दहशतगर्दों को कश्मीर की स्थानीय आबादी व सियासत की पूरी हिमायत हासिल हुई। बिना लोकल स्पोर्ट के आतंकवाद, अलगाववाद व चरमपंथ कभी पैर नहीं पसार सकते। इसी पाक परस्त आतंक के कारण 1990 के दशक में कश्मीर के मूल निवासी लाखों बेगुनाह लोग घाटी से हिजरत करके अपने ही मुल्क में शरणार्थी बन गए।

लेकिन आतंक व पलायन के उस खौफनाक मंजर पर भी कश्मीर से लेकर मरकजी हुकूमत तक देश की सियासत मौन थी। मुफ्तखोरी की खैरात के जरिए मुल्क की हर सियासी जमात सत्ता के फलक पर विराजमान होने को बेताब रहती है। आतंकवाद का मसला तथा कश्मीरी पंडितों के पलायन का मुद्दा जम्हूरियत की पंचायतों में कभी चर्चा का मरकज नहीं बना। जम्मू कश्मीर रियासत के हुक्मरान हरि सिंह की रियासती सेना सन् 1947 में पाक सेना के हमले को रोकने में विफल रही थी। उस वक्त भारतीय सेना ने जोरदार पलटवार करके कश्मीर को बचाया था। पाक परस्त आतंक से निपटने में जम्मू कश्मीर राज्य की पुलिस फोर्स भी नाकाम रही है। नतीजतन 'राष्ट्रीय राइफल्स' की साठ से अधिक बटालियन घाटी में तैनात करनी पड़ी। इसके अलावा पाकिस्तान से सटी जम्मू-कश्मीर की सरहदों पर सेना के सात डिवीजन तैनात हैं। बेतुकी बयानबाजी से अपनी सियासी जमीन मजबूत करने वाले कश्मीर के सियासी रहनुमा खुद सेना की सर्वश्रेष्ठ सिक्योरिटी के दायरे में महफूज रहते हैं। राज्य की पुलिस फोर्स अपने अधिकारियों व प्रशासन तथा सियासतदानों की सुरक्षा में मशरूफ है। घाटी में काम करने वाले अप्रवासी मजदूरों की टारगेट कीलिंग हो रही है। 'ग्राम सुरक्षा गार्डों' का अपहरण करके कत्ल किया जा रहा है। सैनिक शहीद हो रहे हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर की नवगठित हुकूमत सुपुर्दे खाक हो चुकी धारा 370 की फुरकत में अश्क बहा रही है। पांच अगस्त 2019 को देश की संसद ने प्रस्ताव पारित करके घाटी से धारा 370 को रुखसत करके राज्य को दो हिस्सों में तकसीम करके केंद्र शासित प्रदेश घोषित कर दिया था।

इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा है। इसलिए जम्मू-कश्मीर की हुकूमत के पास धारा 370 की बहाली का संवैधानिक हक नहीं है। अत: तजकिरा पाक परस्त आतंक पर होना चाहिए। भारत को दहलाने के लिए पाकिस्तान आतंकवाद को अपनी कौमी पॉलिसी का हिस्सा बनाकर अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। अलबत्ता पाक पोषित आतंक के मुद्दे पर देश की सभी सियासी जमातों को अपने लब-ए-इजहार की खामोशी पर रुख स्पष्ट करना होगा। राष्ट्र के लिए शहादत जैसा अजीम रुतबा हमेशा सैनिकों के हिस्से आया है। प्रश्न यह है कि राष्ट्र के मुहाफिज सैनिकों की शहादत का सिलसिला कब तक जारी रहेगा? सैनिकों के बलिदान पर दु:ख प्रकट करके उन्हें खिराज-ए-अकीकत पेश करने व भारत माता की जय के नारे लगाने तथा आतंकी हमलों की निंदा करने से दहशतगर्दी नहीं थमेगी। भारतीय सेना सरहद के उस पार आतंक की दारुल हुकूमत को मरघट में तब्दील करने की पूरी सलाहियत रखती है। बशर्ते मुल्क के रहबर आतंक के खिलाफ इच्छाशक्ति दिखाएं। आतंक के खिलाफ सरहदों से आगे सैन्य कार्रवाई को अमल में लाना होगा।

सहकारिता की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण

नितिन प्रधान

गरीब कल्याण और समाज के निचले तबके के लिए समृद्धि का रास्ता खोलने में सहकारिता की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। डेयरी, खाद और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में सहकारिता की सफलता के बाद अब बारी अन्य क्षेत्रों की है।

सहकारिता के महत्त्व को समझते हुए सरकार ने इसके लिए अलग से मंत्रालय का गठन भी किया है।

बीते तीन वर्ष में सहकारिता क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं। संभवत: यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) को वैश्विक सहकारी सम्मेलन कराने के लिए इस वर्ष भारत आना पड़ा। सहकारिता के बढ़ते महत्त्व को संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी स्वीकारा है, और 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है। नई दिल्ली में 25 नवम्बर से होने वाला वैश्विक सहकारी सम्मेलन-2024 दुनिया भर के सहकारिता क्षेत्र में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा। आईसीए की स्थापना (1895) के 130 वर्षों के इतिहास में पहली बार यह आयोजन भारत में होने जा रहा है। भारत आईसीए का संस्थापक सदस्य है। आईसीए सहकारी समितियों का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष वैश्विक संस्था है, जिसकी संख्या दुनिया भर में 30 लाख से ज्यादा है। विश्व में 107 देशों के 310 से अधिक संगठन अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन के सदस्य हैं। इस सम्मेलन की मेजबानी की बागडोर विश्व की अग्रणी सहकारी संस्था इफको समेत देश की 17 प्रमुख सहकारी संस्थाओं के हाथों में है। महत्त्वपूर्ण यह भी है कि यह सम्मेलन सहकार से समृद्धि के भारत के संकल्प को पूरी दुनिया में ले जाएगा। आईसीए ने भी इस सम्मेलन का थीम %सहकारिताएं-सबकी समृद्धि का द्वार' तय किया है। इस सम्मेलन में भारतीय गांवों की थीम पर बने %हाट' में भारतीय सहकारी उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। बहुत संभव है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन के दौरान 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाए जाने की औपचारिक घोषणा और इस विषय पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करें।

मोदी सरकार ने सहकारिता क्षेत्र में पिछले तीन वर्ष में दर्जनों महत्त्वपूर्ण बदलाव कर इसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। सहकारी आंदोलन को गति प्रदान करने के लिए नये मंत्रालय का भी गठन किया गया। सहकारी क्षेत्र के संस्थानों के पुनर्गठन और निष्क्रिय हो चुकीं प्राथमिक सोसाइटियों को पुनर्जीवित किया गया है। मॉडल बायलॉज से प्राथमिक कृषि ऋण सोसाइटी (पैक्स) को ताकत दी गई और उनके कामकाज के दायरे को बढ़ाया गया। सहकारिता पर लागू टैक्स को तर्क संगत बनाया गया।

दुनिया में लगभग 30 लाख सहकारी समितियां हैं, जिनमें से करीब 8 लाख सहकारी समितियां यानी एक चौथाई से अधिक समितियां भारत में हैं। संयुक्त राष्ट्र के लगभग सभी सदस्य देशों के एक अरब से अधिक लोग इन समितियों के सदस्य हैं, जिनमें से 29 करोड़ से ज्यादा सदस्य भारत के हैं। सहकारिता क्षेत्र ने दुनिया भर में 21 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया है।

सहकारी समितियों की संख्या और उनके विस्तार की संभावनाओं के मामले में भारत का इतिहास गौरवशाली रहा है। भारतीय सहकारी प्रणाली में सबसे बड़ा परिवर्तन पैक्स के मॉडल बायलॉज का कार्यान्वयन है। सहकारिता क्षेत्र में तीन नई राष्ट्रीय बहुराज्यीय सहकारी समितियों- राष्ट्रीय सहकारी जैविक लिमिटेड (एनसीओएल), राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) और भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) के गठन ने भारत को वैश्विक सहकारिता आंदोलन में अग्रणी बना दिया है। इन पहल ने दूसरे देशों का ध्यान खींचा है।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के दौरान जहां संयुक्त राष्ट्र के निर्धारित लक्ष्य को सहकारिता के माध्यम से पूरा करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी, वहीं सहकारिता के वैश्विक सम्मेलन में इन सभी लक्ष्यों पर व्यापक चर्चा भी कराई जाएगी। लोगों के जीवन स्तर में सुधार के साथ ही वैश्विक चिंताओं को दूर करने को लेकर तैयार बिंदुओं पर भी गंभीर विचार-विमर्श किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र ने 17 सतत विकास लक्ष्य चिन्हित किए हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए सहकारी समितियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इनमें पारिस्थितिकी संतुलन, स्थिर आजीविका, गरीबी उन्मूलन, सामुदायिक विकास एवं सहयोग, मिट्टी की सेहत एवं जीवन, महिला सशक्तिकरण सहित प्राकृतिक संसाधनों पर सभी का समान अधिकार आदि विषयों को शामिल किया गया है। सहकारिता वर्ष मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य इन्हीं लक्ष्यों को पूरा करना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2030 तक की समयावधि निर्धारित की गई है। इसमें सहकारी क्षेत्र की भूमिका पहले ही निर्धारित कर दी गई है, जिससे सम्मेलन का महत्त्व और भी बढ़ गया है।

आपको भी है भूलने की बीमारी

इन आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का करें सेवन

इन दिनों लोगों में भूलने की बीमारी बहुत ही तेजी से बढ़ रही है। लोग अक्सर कुछ बातों को और चीजों को रखकर अक्सर भूल जाते हैं। इसके अलावा लोग एकाग्रता से काम भी नहीं कर पाते हैं। कुछ अध्ययन के अनुसार ऐसा होने का एक कारण खराब जीवनशैली भी है। बढ़ती उम्र में भूलने की समस्या आम है, लेकिन युवाओं में ये समस्या देखी जा रही है। आज की दौड़ती भागती जिंदगी में मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जरूरी है वरना आप कहीं पीछे छूट जाते हैं। याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने के लिए आप क ुछ आयुर्वेदिक हर्ब्स का सेवन भी कर सकते हैं। आइए जानें कौन सी हैं ये आयुर्वेदिक जड़ी बूटियां...

ब्राह्मी: ब्राह्मी एक प्राचीन जड़ी बूटी है। ये औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसका आयुर्वेद में हजारों सालों से इस्तेमाल किया जा रहा है। ये मस्तिष्क के कार्य में सुधार करती है। ये जड़ी बूटी तनाव और चिंता से राहत दिलाने का काम करती है। ये मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करती है। ब्राह्मी खाने से याददाश्त और एकाग्रता बढ़ सकती है। इसका सेवन करने से याददाश्त से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलती है। आप ब्राह्मी पाउडर को दूध या पानी के साथ मिलाकर सेवन कर सकते हैं

शंखपुष्पी : शंखपुष्पी आयुर्वेदिक चिकित्सा में एक बहुत ही शक्तिशाली जड़ी बूटी मानी जाती है। इसका सेवन सालों से दवा के रूप में किया जा रहा है। इसका इस्तेमाल मन को शांत करने और याददाश्त को बढ़ाने के लिए किया जाता है। ये तनाव और चिंता को दूर करने का काम करती है। इसके लिए आप इस हर्बल पाउडर को एक चम्मच गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

अश्वगंधा : अश्वगंधा मानसिक और शारीरिक तनाव को दूर करने का काम करता है। ये मस्तिष्क में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है। ये सेहत के लिए बहुत ही अच्छा होता है। ये न केवल याददाश्त बढ़ाने का काम करता है बल्कि ये मस्तिष्क की बीमारियों के खतरे को कम करने का भी काम करता है। आप इसे दूध, पानी, शहद, घी के साथ मिलाकर ले सकते हैं।

तुलसी : तुलसी सबसे अच्छी जड़ी-बूटियों में से एक मानी जाती है। आयुर्वेद में तुलसी को इसके स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। ये सेहत के लिए बहुत अच्छा होती है। इसमें एंटीबायोटिक, एंटी-वायरल, एंटीबैक्टीरियल, एंटी-कार्सिनोजेनिक गुण होते हैं। ये कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने का काम करती है। ये याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने का काम करती है। इसके लिए आप 5 से 10 तुलसी के पत्ते, 5 बादाम और 5 काली मिर्च शहद के साथ खा सकते हैं। यह मेमोरी पावर बढ़ाने में मदद करती है।

मेडिटेशन : नियमित रूप से मेडिटेशन भी आपको मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का काम करती है। आपके मन को शांत करती है। मेडिटेशन से तनाव कम होता है।

उम्र से पहले होने वाली झुर्रियों से ऐसे पाएं निजात

बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियां आना आम है। लेकिन इन दिनों खराब जीवनशैली के कारण युवाओं के चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप त्वचा की विशेष देखभाल करें। झुर्रियों को दूर करने के लिए आप एंटी एजिंग फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये त्वचा को झुर्रियों से बचाने का काम करेंगे। इन फेस पैक को नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करके बनाया जाता है। ये चीजें आपकी त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करेंगी।

केला और शहद का फेस पैक

एक बाउल में आधा पका हुआ केला मैश कर लें। इसमें 2 से 3 चम्मच शहद मिलाएं। इन दोनों चीजों को अच्छे से मिलाकर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इससे कुछ देर तक त्वचा की मसाज करें। इसे 15 से 20 मिनट के लिए त्वचा पर लगा रहने दें। इसके बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें। आप हफ्ते में 2 से 3 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। शहद में कई प्राकृतिक एंजाइम होते हैं। ये महीन रेखाओं और झुर्रियों को दूर करते हैं।

एवोकैडो और ग्रीन टी फेस पैक

एक बाउल में आधा एवोकैडो मैश कर लें। इसमें 2 बड़े ग्रीन टी मिलाएं। इन दोनों चीजों को अच्छे से मिलाएं। इस फेस पैक को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इससे कुछ देर तक त्वचा की मसाज करें। इसे 20 से 30 मिनट के लिए त्वचा पर लगा रहने दें। इसके बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें। आप हफ्ते में 2 से 3 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। एवोकैडो में विटामिन ई होता है। त्वचा को झुर्रियों और उम्र बढ़ने के अन्य संकेतों से बचाता है। ग्रीन टी अपने एंटी एजिंग गुणों के लिए जाना जाता है। ये त्वचा को झुर्रियों से बचाता है।

नारियल तेल - अंडे का फेस पैक

एक बाउल में अंडा तोड़कर फेंट लें। इसमें 1 से 2 चम्मच नारियल का तेल डालें। इन दोनों चीजों को अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे 15 से 20 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसके बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें। आप हफ्ते में 2 से 3 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। अंडे प्रोटीन से भरपूर होता है। ये हमारी त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। ये आपकी त्वचा को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। नारियल का तेल ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाने का काम करता है। ये त्वचा को झुर्रियों से बचाता है।

त्वचा और बालों के लिए वरदान है लौकी का जूस

लौकी का जूस बनाने की सामग्री

2 छिली हुई, बीज निकली और कटी हुई लौकी
एक बड़ा चम्मच जीरा
15-20 पुदीने के पत्ते
दो से तीन बड़े चम्मच नींबू का रस

लौकी का जूस बनाने की विधि

स्टेप -1
एक ब्लेंडर लें। इसमें लौकी, अदरक, पुदीने के पत्ते, नमक और जीरा डालें।

स्टेप – 2
इसमें एक कप पानी डालें और इसे लगभग 3-4 मिनट तक ब्लेंड करें।

स्टेप – 3
फिर इसमें नींबू का रस और नमक डालें। इसे अच्छे से मिलाएं और इसका सेवन करें। डॉ. भावसार ने नियमित रूप से सुबह इस जूस को पीने का सुझाव दिया। क्योंकि अभी सर्दी का मौसम है इसलिए डॉ. भावसार ने लौकी का जूस बनाने से पहले इसे उबालने की सलाह दी है। इससे ये आपको सर्दी या खांसी से बचाने में मदद करेगा।

लौकी का जूस स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। लौकी का सेवन अधिकतर सब्जी और रायता आदि के रूप में किया जाता है। ये विटामिन सी, विटामिन बी और कई अन्य मिनरल से भरपूर होती है। ये खांसी, बेचैनी, बुखार, अस्थमा और कई अन्य बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मदद करती है। लौकी का जूस हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है। लौकी कूलिंग इफेक्ट के अलावा ब्लड प्रेशर लेवल को भी कंट्रोल करने में मदद करती है। ये सफेद बालों और झुर्रियों की समस्या से भी छुटकारा दिलाने में मदद करती है। ये त्वचा और बालों संबंधित कई अन्य समस्याओं से भी छुटकारा दिलाने में मदद करती है। लौकी के जूस का सेवन शरीर से टॉक्सिन बाहर निकालने का काम करता है। लौकी का सेवन ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल करने में मदद करता है। ये छालों से राहत दिलाती है। लौकी का सेवन बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। ये पेट दर्द और बुखार से भी निजात दिलाने का काम करती है। इसके साथ ही आप वजन कम करने वाली डाइट में भी इसे शामिल कर सकते हैं। लौकी के जूस का वजन घटाने के साथ पाचन तंत्र को स्वस्थ रखती है। एसिडिटी होने से रोकने का काम करती है।

अलसी के बीज से करें हाई यूरिक एसिड को कंट्रोल

शरीर में यूरिक एसिड का बढ़ जाना कई बीमारियों को जन्म देता है। यूरिक एसिड बढ़ जाने से आपके जोड़ों और हड्डियों में दर्द बढ़ने लगता है। इसी के चलते कुछ लोगों को शरीर के कई अंगों में सूजन की शिकायत भी होने लगती है। यूरिक एसिड बढ़ने से हाथों-पैरों की उंगलियों में दर्द होता है। बता दें कि यूरिक एसिड को दवाइयों के अलावा कुछ बीजों का सेवन करके भी कंट्रोल किया जा सकता है। जी हां, यूरिक एसिड को कंट्रोल करने वाले इन बीजों में अलसी का बीज शामिल है, क्योंकि अलसी के बीजों में ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं।

बेहद फायदेमंद होते हैं अलसी के बीज

एनसीबीआई (NCBI) में पब्लिश्ड रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार अलसी के बीज के सेवन से बढ़े हुए यूरिक एसिड को कम किया जा सकता है। अलसी के बीज आपकी सेहत के लिए तो फायदेमंद है ही लेकिन शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ जाने पर अलसी के बीजो का सेवन आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। अलसी के बीजों को रात को थोड़े पानी में भीगो लें और सुबह खाली पेट इसका सेवन करें इससे आपका डाइजेशन तो अच्छा होगा ही साथ ही यूरिक एसिड भी कंट्रोल में आ जाएगा।

जानें कैसे करें सेवन?

अगर आपके शरीर में यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आप अलसी के बीजों का सेवन शुरू करें। इसका पाउडर बनाएं और गुनगुने पानी में एक चम्मच अलसी के बीजों के पाउडर को मिलाकर पिएं। इससे यूरिक एसिड की समस्या जल्दी ठीक होगी। यूरिक एसिड और हमारी डाइट के बीच काफी गहरा संबंध होता है इसलिए खानपान का ज्यादा ध्यान रखना जरूरी है। हेल्दी चीजों का सेवन करें साथ ही सलाद और सब्जी में अलसी के बीज मिला कर खाएं। इससे यूरिक एसिड जल्दी काबू में आ जाएगा।

सर्दियों में खाएं ये फल विटामिन सी मिलेगा भरपूर

सर्दियों का मौसम भले ही बहुत सुहावना होता है। लेकिन ये मौसम अपने साथ कई कई वायरल बीमारियां और संक्रमण ले कर आता है। ऐसे में इम्यून सिस्टम को मजबूत रखना बहुत ही जरूरी है। आप मौसमी फलों के द्वारा वायरल बीमारियों के खतरे को रोकने का काम सकते हैं। आप रोजाना भरपूर फलों का सेवन कर सकते हैं। ये सर्दियों के मौसम में आपकी इम्युनिटी को बढ़ाने का काम करेंगे। आइए जानें आप कौन से फलों को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

संतरे : संतरे विटामिन सी और कैल्शिम से भरपूर होते हैं। इनका रोजाना सेवन इम्युनिटी को बढ़ाने का काम करता है। ये आपकी त्वचा को हेल्दी रखते हैं। ये वजन घटाने में भी मदद करते हैं। कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं। ये आपको कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

अमरूद : अमरूद में विटामिन सी होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं ये आपको फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाने का काम करते हैं। ये पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। अमरूद में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है। इससे ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

क्रैनबेरी : क्रैनबेरी में विटामिन सी होता है। ये कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है। आप क्रैनबेरी का सेवन सलाद के रूप में भी कर सकते हैं।

अनार : अनार का सेवन आप जूस के रूप में भी कर सकते हैं। ये गठिया से पीड़ित लोगों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। ये हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। अनार में फाइबर और विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है। ये शरीर को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाने का काम करता है। ये शरीर को कई अन्य बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

शरीफा : शरीफा को कस्टर्ड सेब के रूप में भी जाना जाता है। विटामिन सी से भरपूर होता है। शरीफा कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर होता है। इसमें विटामिन बी6 होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। ये शरीर को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाने का काम करते हैं।

डार्क चॉकलेट कॉफी से करें मूड को रिफ्रेश

बनाने के लिए सामग्री

दूध – 2 कप
डार्क चॉकलेट – 2 टुकड़े
कॉफी पाउडर – 1 टी स्पून
इलायची पाउडर – 1/2 टी स्पून
चीनी पाउडर – 4 टी स्पून
आइस क्यूब्स – 4-5

डार्क चॉकलेट कॉफी बनाने की विधि

डार्क चॉकलेट कॉफी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में दूध डालकर उसे मीडियम आंच पर गर्म करने के लिए रख दें। ध्यान रखें की दूध को हल्का गर्म ही करना है। दूध गर्म होने के बाद गैस बंद कर दें और एक बर्तन में दूध डालकर उसमें कॉफी पाउडर मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स करें। दूध को चम्मच की मदद से कम से कम पांच मिनट तक मिक्स करें।

अब इस दूध को मिक्सर जार में डालें और उसमें डार्क चॉकलेट को क्रश करके डाल दें। अब इसमें पिसी इलायची पाउडर और चीनी पाउडर भी मिलाएं। इसके बाद मिक्सर जार का ढक्कन लगाकर उसे एक बार ग्राइंड करें। इसके बाद ढक्कन खोलकर उसमें तीन-चार आइस क्यूब्स डालें और एक बार और मिक्सी चला दें। इसके बाद सर्विंग गिलास में डार्क चॉकलेट कॉफी डाल दें और ऊपर से 2-3 आइस क्यूब्स और क्रश चॉकलेट डालकर सर्व करें।

सुबह उठते ही लगातार आती हैं कई छींकें हो सकती है एलर्जिक राइनाइटिस की बीमारी

आजकल प्रदूषण और मौसम बदलने के चलते सुबह उठते ही लगातार छींकें आनी शुरू हो जाती है. लेकिन इसकी एक और भी वजह हो सकती है जिसे एलर्जिक राइनाइटिस कहते हैं जिसे हे फीवर के नाम से भी जाना जाता है. ये एक एलर्जिक स्थिति है जिसमें छींकें, नाक बंद होना, नाक में खुजली और आंखों से पानी आने लगता है. एलर्जिक राइनाइटिस किसी को भी हो सकती है और इसके होने के पीछे कई वजहें हैं. अगर इसके लक्षण बढ़ जाएं तो मरीज को काफी परेशानी भी हो सकती है. एलर्जिक राइनाइटिस की समस्या खासकर सुबह उठते ही देखने को मिलती है जिसके बाद एक के बाद एक छींकें आनी शुरू हो जाती है. ये नाम में पराग, धूल मिट्टी के कण जाने से भी हो सकती है. इसमें हवा में मौजूद काफी छोटे कणों से भी एलर्जी हो जाती है. ये छोटे कण जब नाक और मुंह से अंदर जाते हैं तो छींके आना शुरू हो जाती है. एलर्जिक राइनाइटिस के लक्षणों में सबसे पहले लगातार छींके आना, नाक बंद होना, नाक, गले, मुंह और आंख में जलन होना, नाक बहना, नाक, गले औक आंखों में खुलजी होना, आंखें लाल या पानी से भरी होना, सिरदर्द, साइनस और आंखों के नीचे काले घेरे होना, नाक और गले में बलगम बनना, अत्याधिक थकान होना, गले में खराश होना, घरघराहट भरी खांसी और सांस लेने में परेशानी होना शामिल है.

एलर्जिक राइनाइटिस होने की वजहें कई इनडोर और कई आउटडोर एलर्जी के कारण एलर्जिक राइनाइटिस हो जाती है. इसको ट्रिगर करने में पेड़, पौधों, खरपतवार से निकलने वाले पराग के कण, पालतु पशुओं की रूसी, मोल्ड बीजाणु, धूल के छोटे कण शामिल हैं. इसके अलावा अलग-अलग मरीज को अलग-अलग चीजें ट्रिगर कर सकती हैं. एलर्जिक राइनाइटिस खासकर बदलते मौसम, बढ़ते प्रदूषण, वसंत और शुरुआती परझड़ के समय ज्यादा होती है क्योंकि इस समय हवा में पराग के कण बढ़ जाते हैं. कई बार ये पालतू पशुओं के बालों और रूसी की वजह से भी हो सकती है.

एलर्जिक राइनाइटिस से बचाव

चेहरे को बार-बार छून से बचें. आंखों और नाक को ज्यादा न रगड़ें. जब प्रदूषण बढ़ जाए या हवा में ज्यादा पराग कण हो तो घर में ज्यादा रहने की कोशिश करें और घर के दरवाजें और खिड़कियां बंद रखें. धूल से बचाव के लिए तकिए, गद्दों और बिस्तर को साफ रखें और कवर चढ़ाकर ही रखें. पालतू जानवरों से भी दूरी बनाएं. उन्हे अपने बिस्तर में न आने दें. घर में एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें. घर में घूप, अगरबत्ती जलाने से बचें.

महिलाओं को क्यों नहीं फोड़ने चाहिए नारियल

हर शुभ कार्य में नारियल बहुत खास महत्व रखता है। शास्त्रों में महिलाओं के लिए कुछ कार्य करने की मनाही है इन्हीं में से एक है नारियल फोड़ना, जो स्त्री के लिए वर्जित है। जानते हैं क्यों नारियल को बहुत ही पवित्र माना जाता है। नारियल में भगवान ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश तीनों ही त्रिदेवों का वास माना जाता है। नारियल में तीन आंखों शिव के त्रिनेत्र का रूप मानी गई हैं। शास्त्रों में नारियल फोड़ना एक तरह की बलि का प्रतीक माना गया है। महिलाओं के इसे ना फोड़ने के पीछे मान्यता है कि नारियल एक बीज है और महिला एक बीच के रूप में बच्चे को जन्म देती है। कहते हैं कोई महिला नारियल फोड़ती है तो इसका नकारात्मक असर गर्भाशय पर पड़ता है। धरती पर फल के रूप में भगवान विष्णु ने लक्ष्मी जी के साथ नारियल को भी भेजा था। इस पर सिर्फ मां लक्ष्मी का अधिकार है। इसलिए महिलाओं का नारियल फोड़ना वर्जित है। हर शुभ काम में नारियल फोड़ने के पीछे मान्यता है कि इसके फूटने पर पानी चारों ओर बिखरता है जो सारी नकारात्मकता को दूर करता है। इसका पानी बहुत पवित्र माना गया है।

सभी नारियल की तुलना में एकाक्षी नारियल का विशेष महत्व है इसे माता लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है।

संक्षिप्त समाचार

महासमुंद और सरायपाली में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा चालानी कार्रवाई

महासमुंद (समय दर्शन)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. कुदेशिया के निर्देशन, डीपीएम श्रीमती नीलू घृतलहरे के मार्गदर्शन और जिला नोडल अधिकारी 'डॉ. छत्रपाल चंद्राकर' के सहयोग से जिले के दो विकासखंडों में तंबाकू विरोधी कार्रवाई की गई। कार्यवाही के तहत 21 नवंबर को महासमुंद के ग्राम पंचायत पटेवा और 25 नवंबर को सरायपाली के ग्राम सिंघोड़ा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, पुलिस विभाग और स्वास्थ्य विभाग'' की संयुक्त प्रवर्तन टीम ने कोटपा एक्ट 2003 के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई की। कार्यवाही का नेतृत्व औषधि निरीक्षक अखिलेश पांडेय ने किया। कोटपा एक्ट की धारा 04 (सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध), धारा 06(अ) (नाबालिगों को तंबाकू उत्पाद बेचने पर प्रतिबंध) और धारा 06(ब) (शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद बेचने पर प्रतिबंध) के उल्लंघन के मामलों में कुल 32 चालान काटे गए। इस कार्रवाई में पुलिस विभाग के उप निरीक्षक विनोद कश्यप, थाना प्रभारी महेश साहू, आरक्षक गिरिवर साहू और लिंगराज, तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के नमूना सहायक कौशल साहू का विशेष सहयोग रहा। संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा की गई इस कार्रवाई का उद्देश्य ''कोटपा एक्ट 2003 के प्रावधानों का सख्ती से पालन कराना और लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई नियमित रूप से जारी रहेगी।

बेलसोंडा, बरोंडाबाजार और बम्हनी धान उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश

महासमुंद (समय दर्शन)। बेलसोंडा एवं बम्हनी धान उपार्जन केंद्र की नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती मिषा कोसले ने आज केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। श्रीमती कोसले ने केंद्र पर कैमरे लगाने के लिए कल तक की समय सीमा निर्धारित की। बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मिलर्स से बातचीत की गई और उन्हें बारदाने उपलब्ध कराने हेतु कल सुबह तक का निर्देश दिया गया। धान में नमी की जांच (मॉइस्चर चेकिंग) की गई और धान की बोरियों को सुतली धागे से सिलने के लिए निर्देश दिए गए। साथ ही, भंडारण की व्यवस्था और स्टैकिंग डिटेल्स की जांच की गई, जिससे धान का सुरक्षित एवं व्यवस्थित रख-रखाव सुनिश्चित हो सके। केंद्र पर मौजूद पंजियों की जांच की गई और सही तरीके से रिकॉर्ड संधारण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान आवश्यक सुधारों के निर्देश दिए गए और केंद्र के अधिकारियों को उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी गई।

प्राक्कयन परीक्षा 01 दिसम्बर को रायपुर में

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी / संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराने हेतु पात्र अभ्यर्थियों की प्राक्कयन परीक्षा आगामी 01 दिसम्बर, दिन रविवार को दोपहर 12 से 2 बजे तक राजधानी रायपुर में आयोजित किया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि रोल नंबर 20240001 से 20240350 तक परीक्षा केन्द्र प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय, पहाड़ी चौक, तिलक नगर, गुढ़ियारी, रोल नंबर 20240351 से 20240700 तक लक्ष्मी नारायण कन्या विद्यालय, कालीबाड़ी रायपुर में, रोल नंबर 20240701 से 20241100 तक प्रयास बालक आवासीय विद्यालय, सड्डु उरकुरा मार्ग, रायपुर, रोल नंबर 20241101 से 20241450 तक छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल, हीरापुर, टाटीबंध रायपुर और रोल नंबर 20241451 से 20241600 तक विवेकानंद विद्यापीठ, कोटा-गुढ़ियारी रोड रायपुर तथा रोल नंबर 20241601 से 20241650 तक परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, आजाद हॉस्टल के सामने, पुराना आयुक्त, कार्यालय, पं. रविशंकर विश्वविद्यालय परिसर रायपुर को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

म.प्र. के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने समूह की दीदियों से चर्चा कर उनके कार्यों को सराहा

सेंदरी आत्मानंद स्कूल में बच्चों का बढ़ाया मनोबल

बिलासपुर (समय दर्शन)। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल आज दो दिवसीय दौरे पर बिलासपुर पहुंचे। श्री पटेल ने आज सेंदरी और रतनपुर का दौरा किया। स्कूली बच्चों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया। समूह की दीदियों से चर्चा कर उनके कार्यों की जानकारी ली। उनके कार्यों की सराहना की। रतनपुर सीएचसी में सोनोग्राफी मशीन और ओटी का उद्घाटन किया। इस दौरान कलेक्ट अवनीश शरण, एसपी रजनेश सिंह, नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

मप्र के राज्यपाल श्री पटेल सबसे पहले सेंदरी के स्वामी आत्मानंद स्कूल पहुंचे। उन्होंने दसवीं कक्षा के बच्चों से चर्चा कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने बच्चों से पूछा कि देश के राष्ट्रपति कौन हैं। बच्चों द्वारा राष्ट्रपति के बारे में पूरी जानकारी देने पर खुशी जताई। उन्होंने बच्चों से एसएचजी के बारे में भी पूछा। उन्होंने बच्चों को खूब मन लगाकर पढ़ने कहा। बच्चों को राजभवन आने का न्योता भी दिया। इसके बाद उन्होंने समूह

की दीदियों से चर्चा कर उनके कार्यों की जानकारी ली। महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आर्थिक गतिविधियों से जुड़ कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन गई हैं। उनका आत्मविश्वास बढ़ गया है। परिवार और समाज में उनका सम्मान बढ़ गया है। उन्होंने स्कूल परिसर में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी जायजा लिया। यहां सिकल सेल, बीपी, शुगर जांच सहित अन्य जांच की जा रही है। स्वास्थ्य परीक्षण कराने आए लोगों से चर्चा की। मितानिनों से चर्चा कर उनके कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने स्कूल परिसर में बादाम का पौधा लगाया। राज्यपाल श्री पटेल ने रतनपुर सीएचसी में सोनोग्राफी मशीन और ऑपरेशन थिएटर का भी उद्घाटन किया। उन्होंने अस्पताल में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र को भी देखा। फ्लिहाल यहां 9 बच्चे भर्ती हैं। उन्होंने 1 साल के बच्चे वासु कुमार बैगा की माता से वासु के बारे में जानकारी ली। इसी प्रकार सोनपुरी से आए नन्हें बच्चे लोकेश कुमार यादव की माता से भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों के पोषण आहार के बारे में भी पूछा। उन्होंने 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो श्री बलदाऊ प्रसाद, श्री शिव कुमार यादव सहित अन्य को आयुष्मान कार्ड भी वितरित किया। अब इन्हें 5 लाख तक के मुफ्त उपचार की सुविधा मिलेगी। उन्होंने अस्पताल में अन्य वार्डों को भी देखा। इलाज कराने आए मरीजों से चर्चा की। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री घनश्याम रात्रे, एसडीएम श्री युगल किशोर उर्वशा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला शिक्षा अधिकारी और रासेयो कार्यक्रम समन्वयक के मार्गदर्शन में विशेष शिविर

संविधान प्रस्तावना, स्वच्छता अभियान और कैरियर पर चर्चा

आदर्श ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंद और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हरदी

सारंगढ़ (समय दर्शन) ङ्क आदर्श ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंद और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हरदी के संयुक्त सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन जिला शिक्षा अधिकारी सारंगढ़-बिलाईगढ़, श्री रु क्क पटेल और रासेयो कार्यक्रम समन्वयक श्री सुशील एक्का की उपस्थिति में प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिविर में संविधान दिवस, स्वच्छता और कैरियर मार्गदर्शन पर विशेष चर्चा हुई।

श्री रु क्क पटेल और श्री सुशील एक्का का मार्गदर्शन- मुख्य अतिथि श्री रु क्क पटेल ने बौद्धिक परिचर्चा में 卐एनएसएस के नियम, अनुशासन, व्यक्तित्व विकास, कला, सांस्कृतिक मूल्य और जीवन की सार्थकता卐 पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने युवाओं को अनुशासन और सामाजिक सेवा के महत्व को समझाते हुए एनएसएस के उद्देश्यों को गहराई से समझाया।

इसके बाद रासेयो कार्यक्रम समन्वयक श्री सुशील एक्का ने एनएसएस स्वयंसेवकों से सीधे बातचीत की। उन्होंने कैरियर मार्गदर्शन, अनुशासन, लक्ष्य निर्धारण और जीवन उद्देश्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। श्री एक्का ने विद्यार्थियों को अपने सपनों को साकार करने के लिए सटीक योजना और कठोर मेहनत का संदेश दिया।

संविधान प्रस्तावना का शपथ ग्रहण- बौद्धिक परिचर्चा के दौरान श्री विक्रम कुर्रे ने स्वयंसेवकों और अतिथियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का शपथ दिलाई। यह आयोजन संविधान के मूल्यों को युवाओं के जीवन में उतारने का प्रतीकात्मक प्रयास था।

संविधान वाचन और स्वच्छता अभियान-प्रभात फेरी में गांव के सम्माननीय व्यक्तित्व श्री लैलून भारद्वाज और श्री नरेश रात्रे ने भाग लिया। फेरी के अंत में अंबेडकर चौक पर संविधान वाचन और शपथ ग्रहण किया गया। इसके बाद स्वयंसेवकों ने गांव की गलियों की सफाई की और ग्रामीणों को स्वच्छता, नशामुक्त जीवन और शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया।

प्रमुख उपस्थितिगण- इस कार्यक्रम में आदर्श ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंद के स्कूल अध्यक्ष श्री तुलाराम साहू, संचालक श्री कमलेश कुमार साहू, कार्यक्रम अधिकारी श्री गोपाल साहू, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री विक्रम कुर्रे, श्री विनोद खांडे, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी (शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हरदी) श्री रमेश लाल भारती, श्रीमती ममता साहू, ग्रामीण जन और बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सामुदायिक और व्यक्तिगत विकास पर जोर- यह शिविर न केवल सामुदायिक सेवा के लिए प्रेरणा बना, बल्कि छात्रों में नेतृत्व और राष्ट्र सेवा की भावना को भी प्रोत्साहित किया। श्री रु क्क पटेल और श्री सुशील एक्का के प्रेरक संदेशों ने स्वयंसेवकों को बेहतर भविष्य की दिशा में अग्रसर होने का मार्ग दिखाया। शिविर के आयोजकों और प्रतिभागियों के सामूहिक प्रयासों को सलाम। यह आयोजन युवाओं और समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

डॉ भीमराव अंबेडकर शिक्षण संस्थान छत्तीसगढ़ द्वारा 75वीं संविधान दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय तीन दिवसीय छड़ी दार,भंडारी , कड़ी हार एवं राज महंत संगोष्ठी तथा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

मुंगेली /समय दर्शन। डॉ भीमराव अंबेडकर शिक्षण संस्थान छत्तीसगढ़ द्वारा 75वीं संविधान दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय तीन दिवसीय छड़ी दार,भंडारी , कड़ी हार एवं राज महंत संगोष्ठी तथा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्र कुमार अजगल्ले के मुख्य आतिथ्य में किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के व्यवस्थापक एच आर भास्कर ने किया ।विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती कंचन लता आंचल सचिव एवं व्यवहार न्यायाधीश अजय शतरंज डिप्टी कलेक्टर, एस एल रात्रे सेवानिवृत्ति सचिव छत्तीसगढ़ शासन , से नि अधिकारी एम एल महादेवा, अम्बेडकर विचारक जितेंद्र भावे, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल टीकम चंद्राकर , सुरेश खुसरो ,द्रोपती कश्यप उपस्थित रहे सर्वप्रथम अतिथियों ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र एवं भारतीय संविधान के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।दैनिक प्रार्थना पश्चात् मुख्य अतिथि ने संविधान के प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया ।मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर कहा कि संविधान को आत्मसात किए हुए 75 वर्ष हो गए आज संविधान के बारे में विशेष रूप से चर्चा करने का अवसर है

।संविधान में लिखे गए प्रस्तावना को हम सभी ने वाचन किया उसमें प्रत्येक शब्द को चुन-चुन कर व्यापक अर्थ के साथ रखा गया । घर परिवार को चलाने के लिए पारिवारिक नियम होते हैं जिसके अनुसार परिवार चलता है अन्यथा परिवार बिखर जाता उसी प्रकार राज्य और देश को चलाने के लिए ऐसे संविधान बना जो आज तक देश की गरिमा को बनाए रखने के लिए साबित हुआ देश को बिखरने नही दिया ।प्रत्येक भारतीयों को सम्मान एवं विधि पूर्वक जीवन जीने और कार्य करने का अवसर मिल रहा है । सभी गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए क्रमबद्ध विधि सम्मत बात लिखी गई है ।संविधान में दिए गए अधिकार और कर्तव्य के कारण ही एक आम नागरिक को देश के सर्वोच्च पद प्रधानमंत्री ,राष्ट्रपति जैसे पदों पर सुशोभित होने का अवसर मिला है ऐसे संविधान को और संविधान निर्माता को नमन करता हूं श्रीमती कंचन लता ने विधिक जानकारी दी कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एच आर भास्कर ,टीकम चंद्राकर ,जितेंद्र भावे ,डिप्टी कलेक्टर अजय शतरंज , सेवानिवृत अधिकारी एस एल रात्रे,एमएल महादेव ने भी संबोधित किया ।सभी अतिथियों का स्वागत शाल, श्रीफ्ल तथा चंदन से किया गया इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारी एवं सदस्य गण जगदीश कांत, जितेंद्र कुमार, राजेश दिवाकर, नैन दास जोगांश,प्राचार्य श्रीमती आशा दिवाकर , उप प्राचार्य छत्रपाल शिक्षक शिक्षिका छात्र-छात्रा अभिभावक गण आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन संस्था अध्यक्ष राजेंद्र दिवाकर ने किया।

आबकारी विभाग ने 200 लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब सहित 2000 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के निर्देश पर जिले में अवैध शराब निर्माण,भंडारण एवं परिवहन पर आबकारी विभाग एवं संभागीय उड़नदस्ता टीम संयुक्त कार्रवाई की जा रही है। जिस तारतम्य में कसडोल क्षेत्र के ग्राम घटमड़वा डेरा में टीम द्वारा मौके पर 2 प्लास्टिक पॉलिथीन में भरी हुई 100-100 जीटर की कुल 200 लीटर हाथबट्ठी महुआ शराब तथा 50 प्लास्टिक की बोरियों में भरी 50-50 किलोग्राम की कुल 2000 किलोग्राम महुआ

लाहन जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। महुआ लाहन को सैपल लेकर नष्टीकरण किया गया। उक्त कार्रवाई में अज्ञात आरोपियों के विरूध्द छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(च), 34 (2), 59 (क) का प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। कार्रवाई के दौरान आबकारी उपनिरीक्षक मोतिन बंजारे, आबकारी मुख्य आरक्षक सूर्यकांत वर्मा, आरक्षक विजय वर्मा,महेश साहू, जयप्रकाश बांधे,नगर सैनिक दुर्गेशवरी कुर्रे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उक्त जानकारी जिला आबकारी अधिकारी गजेन्द्र कुमार सिंह के द्वारा दी गई है। उन्होंने साथ ही कहा की आगे भी अवैध मदिरा परिवहन,धारण चौर्यनयन के विरूद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

युवती की गले में परसुल से प्रहार कर वीभत्स हत्या करने के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

फास्ट ट्रैक कोर्ट के विशेष न्यायाधीश बी. आर. साहू का निर्णय, अभियोजन की ओर से पैरवी राकेश महंत विशेष लोक अभियोजक ने किया

शक्ति (समय दर्शन)। फास्ट ट्रैक कोर्ट शक्ति के विशेष न्यायाधीश बी. आर. साहू द्वारा 21 वर्षीय युवती के हत्या के मामले में अभियुक्त के विरुद्ध आरोपित अपराध दोष सिद्ध पाए जाने पर आरोपी को आजीवन कारावास की सजा एवं अर्थदंड से दंडित करने का निर्णय पारित किया गया है। विशेष लोक अभियोजक राकेश महंत ने बताया कि 21 वर्षीय युवती दिनांक 25 नवंबर 2023 को अपने घर में अकेली थी उसके पिता और भाई सुबह मोटरसाइकिल से हार्वेस्टर से धान काटने के लिए सरसीवा चले गए थे उसकी मां गांव में स्थित आंगनवाड़ी में पढ़ाने चली गई थी एवं छोटी बहन सवेरे कॉलेज में पढ़ने के लिए शक्ति चली गई थी। आरोपी सुनेपन का फायदा उठाकर युवती के घर में अपने मोटरसाइकिल से लगभग दोपहर 12:00 बजे घर के अंदर आया। आरोपी ने अपने मोटरसाइकिल को युवती के घर के बाहर खड़ा किया और घर में प्रवेश किया तथा कुछ देर बाद घर से हड़बड़ा कर निकलते हुए मोटरसाइकिल से भागते हुए गया जिसे वहां पर क्रिकेट खेल रहे लड़कों ने देखा तथा आरोपी को घर से भागते हुए युवती के बुआ ने घर के दरवाजे पर देखा । मृतिका के बुआ ने घर अंदर जाकर देखा तो मृतिका मर चुकी थी तथा उसके दाएं गला के तरफ खून निकल रहा था तथा वह बिस्तर में पड़ी हुई थी ।

मृतका के बुआ ने तत्काल घर से बाहर निकला और आरोपी के बारे में वहां क्रिकेट खेल रहे बच्चों से पूछताछ किया तो उन्होंने बताया कि आरोपी हड़बड़ाते हुए अपने मोटरसाइकिल से भाग गया है जिसे उन्होंने देखा है । मृतका के बुआ ने तत्काल गांव में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र जाकर मृतका के माता को घटना के बारे में बताई की तुम्हारी बड़ी बेटी को आरोपी हरिओम ने घर में आकर उसके गले को हथियार से मार कर उसकी हत्या कर दी है । मृतका की बुआ और उसके माता आंगनबाड़ी से हड़बडाते हुए पैदल घर आए तो देखा कि मृतिका बिस्तर में मृत पड़ी हुई थी तथा उसके दाएं गले से खून निकल रहा था तथा बिस्तर के चादर में भी खून दिख रहा था जिसे देखते ही मृतका की माता और उसकी बुआ चिल्ला चिल्लाकर रोने लगी जिसकी आवाज को सुनकर वहां क्रिकेट खेल रहे लड़के और गांव वाले घर के अंदर गए तथा उन्होंने भी मृतिका को देखा । गांव की एक लड़के ने घटना की सूचना 112 पुलिस वाहन को दिया जिस पर थाना बाराद्वार से तुरंत पुलिस फोर्स घटना स्थल पहुंचा तथा घटनास्थल का मुआयना कर पंचनामा करवाई किया तथा मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया जहां दो सदस्यीय डॉक्टरो की टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया गया । पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण डॉक्टर द्वारा हत्यात्मक प्रकृति का बताया गया । थाना बाराद्वार के निरीक्षक विवेचक गगन बाजपेई द्वारा गवाहों से पूछताछ कर के बयान दर्ज किया गया तथा आरोपी हरिओम राठौर को तत्काल हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जिसमें वाद विवाद के दौरान मृतका के घर के किचन में रखें धारदार परसूल से मृतका की हत्या करना बताया । हत्या मे प्रयुक्त धारदार परसूल को मृतका के घर के अंदर से सीढी में चढ़कर बगल वाले के घर के शौचालय के छत में रखना बताया जिसे आरोपी द्वारा निकालकर पेश करने पर पुलिस वाले जप्त किया तथा जिस मोटरसाइकिल से आरोपी मृतका के घर आया था तथा हत्या करने के बाद भाग गया था उस मोटरसाइकिल को पेश करने पर पुलिस वाले जप्त किए थे एवं घटना के समय आरोपी द्वारा पहने गए कपड़े जिसमें खून के दाग धब्बे लगे हुए थे को भी पेश करने पर पुलिस वाले जप्त किये । आरोपी हरिओम राठौर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेशकर न्यायिक अभिरक्षा में उप जेल शक्ति भेज कर संपूर्ण विवेचना उपरांत विशेष न्यायालय फास्ट्रेक कोर्ट शक्ति में आरोपी हरिओम राठौर के विरुद्ध अभियोग पत्र विशेष न्यायालय शक्ति में पेश किया गया था । विशेष न्यायालय शक्ति ने उभय पक्षों को पर्याप्त समय अपने पक्ष रखने के लिए देने के पश्चात तथा अभियोजन एवं अभियुक्त पक्ष के अंतिम तर्क श्रवण सुनने तथा संपूर्ण विचारण पूर्ण होने के पश्चात न्यायालय द्वारा निर्णय पारित किया गया। अभियुक्त द्वारा मृतिका की हत्या करना प्रमाणित करने में अभियोजन के सफल रहने तथा अभियोजन द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध आरोपित अपराध संदेह से परे प्रमाणित कर दिए जाने से अभियुक्त हरिओम राठौर पिता नकुल राठौर उम्र लगभग 22 वर्ष निवासी ग्राम खुटादहरा थाना बाराद्वार जिला शक्ति को विशेष न्यायाधीश बी आर साहू फास्ट्रेक कोर्ट शक्ति द्वारा सिद्ध दोष पाए जाने पर दोष सिद्ध घोषित किया गया तथा अभियुक्त को धारा 302 भारतीय दंड संहिता के अपराध के लिए आजीवन कारावास एवं ?5000, के अर्थदंड की सजा से दंडित किया गया है ।अभियोजन की ओर से पैरवी राकेश महंत विशेष लोक अभियोजक फास्ट्रेक कोर्ट शक्ति ने किया ।

खबर-खास

अंबेडकर चौक धमतरी में धारदार चाकू लेकर,लोगों को भयभीत कर रहे आरोपी उत्तम साहू को धमतरी पुलिस ने तत्काल किया गिरफ्तार

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। संक्षिप्त विवरण* -: थाना सिटी कोतवाली पेट्रोलिंग को मुखबिर से सुचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति जो अंबेडकर चौक के पास धमतरी में अपने हाथ में एक लोहे का धारदार हथियार चाकू को लेकर घुम रहा है जिसको देखकर आने जाने वाले लोग भयभीत हो रहे हैं की सुचना पर तत्काल कोतवाली पुलिस टीम मुखबिर के बताये स्थान अंबेडकर चौक धमतरी धमतरी पहुंचकर देखे तो एक व्यक्ति धारदार लोहे चाकु को अपने हाथ लेकर आम जगह पर घूम रहा था जिसको देखकर आने जाने वाले लोग भयभीत हो रहे थे। उक्त व्यक्ति को गवाहों के समक्ष घेराबंदी कर पकड़ा गया जिससे नाम पता पुछने पर उसने अपना नाम आरोपी उत्तम साहू पिता स्व0महेश साहू उम्र 19 वर्ष सा0 अंबेडकर चौक टिकरापारा धमतरी का रहने वाला बताया।

आरोपी के कृत्य अपराध आर्म्स एक्ट के तहत पर्याप्त साक्ष्य सबुत पाये जाने से गवाहों के समक्ष आरोपी से धारदार लोहे का चाकू को जप्त कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर,आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

शहर में बढ़ती चाकुबाजी की घटनाओं को रोकने के लिये ऐसे आरोपियों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है।

आरोपी का नाम :-उत्तम साहू पिता स्व0महेश साहू उम्र 19 वर्ष सा0 अंबेडकर चौक टिकरापारा धमतरी,थाना सिटी कोतवाली धमतरी, जिला - धमतरी (छ.ग.)उक्त कार्यवाही में थाना सिटी कोतवाली से प्रआर.हरीशंकर सिन्हा,आर.रूपेश रजक,चंदर सिंह जमदार, डायमंड यादव, सहित सायबर टीम का विशेष योगदान रहा।

श्रीराम फाइनेंस ने दिग्गज राहुल द्रविड़ के साथ मिलकर शुरू किया प्रेरक कैंपेन '#टुगेदर, वी सोअर'

बिलासपुर: देश की प्रमुख वित्तीय सेवा प्रदाताओं मे से एक, श्रीराम ग्रुप की प्रमुख कंपनी श्रीराम फाइनेंस ने 'स्टुगेदर, वी सोअर' शिर्षित, एक बेहद प्रेरक ब्रांड कैंपेन प्रारंभ किया है। यह कैंपेन, परस्पर संबंध और एकता की ताकत पर प्रकाश डालते हुए, श्रीराम फाइनेंस की भारत की उम्मीदों के साथ साझेदारी की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

आज, कई भारतीय 'तो क्या?' के सिद्धांत को अपना रहे हैं, जो सफलता की अपनी यात्रा में किसी भी चुनौती को पार करने की आकांक्षा को दर्शाता है। इस कैंपेन का उद्देश्य इस भावना का जश्न मनाना और राहुल द्रविड़ के अपने जीवन के एक अंश के साथ साझेदारी को आगे बढ़ने के साधन के रूप में दर्शाना है।

संदेश स्पष्ट है, 'टुगेदर, वी सोअर' अपने ग्राहकों के साथ संबंधों को मज़बूत बनाकर, हम उन्हें अपनी शक्ति को पहचान कर, अपने सपनों को हासिल करने में उनकी मदद करते हैं।

कैंपेन को प्रेरणात्मक बनाने वाली स्टार पॉवर- कैंपेन में क्रिकेट के दिग्गज राहुल द्रविड़ ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल हैं, जो टीमवर्क और दृढ़ता के मूल्यों को दर्शाते हैं, जिसका श्रीराम फाइनेंस भी समर्थन करता है। उनकी उपस्थिति, विकास को प्रेरित करने वाली साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

अभियान के प्रभाव को और बढ़ाते हुए, प्रसिद्ध अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने हिंदी एड फिल्म 'हर इंडियन के साथ: जुड़ेंगे, उड़ेंगे' के संस्करण में अपनी आवाज़ दी है। 50 से अधिक वर्षों तक फिल्मों में अभिनय और निर्देशन करने वाले, पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कार विजेता को भारतीय सिनेमा में उनके विशेष योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले हैं। श्रीराम फाइनेंस के संदेश के लिए उनकी शक्तिशाली आवाज़, सार्थक साझेदारी के माध्यम से व्यक्तियों को उनके सपनों को प्राप्त करने में मदद करने के समर्पण पर ज़ोर देती है।

इस अभियान में तेलुगू संस्करण के लिए अकादमी पुरस्कार विजेता के. एस. चंद्रबोस द्वारा बोल लिखे गए है और तमिल संस्करण के लिए प्रशंसित गीतकार मधन कर्की द्वारा बोल लिखे गए हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों के साथ जुड़ना संभव होगा।

विधायक भावना बोहरा ने जनपद पंचायत पंडरिया क्षेत्र के विकास के लिए अधिकारियों के साथ साझा किया रोड मैप

नगर पंचायत की बैठक में अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कवर्धा (समय दर्शन)। विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में जनपद पंचायत पंडरिया की बैठक हुई। जिसमें सभी विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और पंडरिया के विकास को सुचारू रूप से पूरा करने और जनता की सुविधाओं हेतु रोड मैप साझा किया। उन्होंने पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्र कुई-कुकदुर में भी क्षेत्रवासियों, जनप्रतिनिधियों और विभागों के अधिकारियों से भी चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पंडरिया विधायक भावना ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से प्रदेश का विकास फिर से शुरू हुआ है। कांग्रेस के पांच वर्ष के शासन में प्रदेश में केवल भ्रष्टाचार और घोटाले किये गए, लेकिन जब से यहां डबल इंजन की भाजपा सरकार बनी है तब से लगातार हर क्षेत्र का विकास सुनिश्चित हो रहा है। पंडरिया विधानसभा में भी विकास कार्यों की सौगात जनता को लगातार मिल रही है, लेकिन इन विकास कार्यों का निर्माण पूरी गुणवत्ता, तय समय और सही प्रक्रिया से पूर्ण हो इसके लिए हमने एक रोड मैप तैयार किया है जिसे आज बैठक में मैनें सभी विभाग के अधिकारियों के साथ साझा किया है। यह रोड मैप शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान हित, सड़कों का विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था, शासकीय योजनाओं में पारदर्शिता के साथ उसके सफल क्रियान्वयन, आदिवासी क्षेत्रों का समुचित विकास, अधोसंरचना का तेजी से निर्माण करने के साथ ही अपराध व अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने में सार्थक सिद्ध होगा।

हमने जो अपने उद्देश्य निर्धारित किये हैं उसे पूरा करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहें हैं। आज हुई बैठक में हमने पंडरिया विधानसभा में

सड़क व्यवस्था को दुरुस्त करने पर सबसे ज्यादा जोर दिया है क्योंकि इससे ही क्षेत्र की प्रगति सुनिश्चित होगी, इसके साथ ही सड़कों के गुणवत्तापूर्ण निर्माण एवं हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण को प्राथमिकता से पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है ताकि जनता को असुविधाओं का सामना न करना पड़े। पंडरिया शहर की जनता द्वारा बाईपास बनाने की बहुप्रतीक्षित मांग भी अब अपना आकार ले रही है जिसके निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो इसके लिए हम लगातार उसका निरक्षण व ठेकेदारों को सचेत करते रहेंगे। इससे नगरवासियों को ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलेगी। हमारे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण व मरम्मत के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसके अलावा पंडरी-महली-कुंडा रोड, कुंडा-दामपुर रोड, बोड़तारा-कुम्ही रोड,घोर पेंड्री-बासनी रोड,कापादाह बाईपास एवं बोड़तारा खुर्द-कुम्ही रोड के मरम्मत कार्य को जल्द पूर्ण करने की बात कही है। इसके साथ पंडरिया, पांडातराई सहित विभिन्न क्षेत्रों में जहाँ सड़कों की समस्या है उसे जल्द दूर करने की बात मैनें कही है। वहीं पीएम जनमन योजना के तहत आवास निर्माण कार्यों के ऑडिट तथा पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवास निर्माण के लिए लाभार्थियों को तय समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध करने के सन्दर्भ में भी चर्चा की है।

भावना बोहरा ने बताया कि इसके साथ ही आदिवासी बालिका छात्रावास को स्थानांतरित करने, शासकीय स्कूलों में शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं रिक्त पदों को भरने, धान खरीदी केंद्री में किसानों के लिए बारदाने और उनकी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था, तहसील में लंबित कार्यों को पूरा करने शिविरों का आयोजन, पांडातराई नगर में आबादी पट्टा हेतु सीमांकन एवं सर्वे कार्य, ग्राम रेंगाबोड़ और अंधियारखोर में जमीन अधिग्रहण का मुआवजा जल्द देने, विधायक निधि से पंचायतों में बनने वाले पुस्तकालय निर्माण की स्थिति, पीडीएड दुकानों में राशन वितरण, बिजली व स्वच्छ पेज जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने, पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध करोबार करने वालों पर त्वरित कार्यवाही जैसे सभी विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की है। हमारा उद्देश्य पारदर्शी तरीके से जनता की सुविधाओं के लिए कार्य करना है, जिससे क्षेत्र का विकास सुनिश्चित हो सके। विकास व निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के साथ ही हर विभाग में अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों का पूरी तरह से निर्वहन करें, जनता की समस्याओं को सुनें उसका निराकरण करें इन सभी विषयों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं ताकि जनता एवं शासन-प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल बन सके और समस्याओं का भी त्वरित निवारण हो सके।

कवर्धा वनमंडल अंतर्गत वनरक्षकों के 65 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ हुई

भर्ती प्रक्रिया में इलेक्ट्रानिक डिवाइस के माध्यम से की जा रही है पूरी पादर्शिता

कवर्धा (समय दर्शन)। वन विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न वनमंडलों में वनरक्षक के 1484 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की जा रही है। कवर्धा वनमंडल अंतर्गत वनरक्षकों के 65 पदों पर भर्ती प्रक्रिया दिनांक 25. 11. 2024 से प्रारंभ है, जो 08. 12. 2024 तक संपन्न होगी।

वनमंडलाधिकारी, कवर्धा वनमंडल के अनुसार कवर्धा वनमंडल में वनरक्षक के रिक्त 65 पदों पर सीधी भर्ती प्रकिया दिनांक 25.11.2024 को पी.जी. कालेज ग्रांउड कवर्धा में प्रारंभ हो गई है। कवर्धा वनमंडल में उक्त पद के लिए कुल 29892 आवेदन प्राप्त हुए है। प्रत्येक दिवस 2500 अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में आमंत्रित हैं, जिसमें प्रथम दिवस कुल 564 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए हैं।

उन्होंने बताया कि वनरक्षक भर्ती

में किसी प्रकार की गड़बड़ी या धांधली ना हो इसके लिए शारीरिक माप-जोख एवं दक्षता परीक्षा इलेक्ट्रानिक डिवास के माध्यम से लिया जा रहा है। लंबाई एवं सीना माप इलेक्ट्रानिक डिवाईस के माध्यम से होने के पश्चात अभ्यर्थियों को बारकोड युक्त चेस्ट जारी कर उनके पैंर में गैजेट लगाया जाता है। इस गैजेट का उपयोग 200 एवं 800 मीटर दौड़ में किया जा रहा है जिसका सटीक आंकड़ा तुरंत डिवाईस के माध्यम से संग्रहित किया जाता है। दौड़ उपरांत गोला फेंक एवं लंबी कूद परीक्षा में भी इलेक्ट्रानिक डिवाईस का उपयोग किया जा रहा है जिसमें तुरंत सटीक आंकड़े प्राप्त हो जाते हैं। विभाग के द्वारा भर्ती प्रकिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है, अभी तक भर्ती के संबंध में किसी प्रकार की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। इस वनरक्षक भर्ती में अभ्यर्थियों के लिए ग्लोकोस, नींबू, पानी, फर्स्ट एड बाक्स, चिकित्सा सुविधा एवं अन्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है। भर्ती प्रक्रिया के संपादन हेतु वनमंडल के अधिकारी, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है जिनके लिए चाय, नाश्ता एवं भोजन व्यवस्था उपलब्ध है।

सफलता की कहानी : प्रदेश का एकमात्र वनधन केन्द्र दुगली जहां एलोवीरा का प्रिमियम प्रोडक्ट किया जाता है तैयार

वनधन विकास केन्द्र दुगली में महिलाओं को मिल रहा वर्षभर रोजगार

धमतरी/समय दर्शन। वनधन योजना का प्रमुख काम आदिवासी लोगों के लिए आजीविका सृजन को लक्षित करना और उन्हें उद्यमियों में बदलना है। इसके अलावा वनाच्छादित क्षेत्रों में वनधन विकास केन्द्रों के स्वामित्व वाले जनजातीय समुदाय को स्थापित करना है, ताकि वन उपज के लिए प्राथमिक प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके और जनजातियों के लिए रोजगार उपलब्ध हो सके। प्रधानमंत्री वनधन विकास योजनान्तर्गत वनांचल नगरी के दुगली स्थित वनधन विकास केन्द्र वर्ष 2018 से संचालित है। इसके जरिए समूह की महिलाओं को महिलाओं को पूरे वर्षभर कार्य मिल जाता है। इसके अलावा समय-समय पर जब कार्य अधिक होता है, तो अन्य समूह की महिलाओं को भी बुलाया जाता है।

वनधन विकास केन्द्र दुगली में कुल 22 प्रकार की सामग्रियां तैयार की जातीं हैं, इनमें से 15 प्रकार की औषधि एवं खाद्य सामग्री का निर्माण शामिल है, जिसका आयुष एवं खाद्य विभाग से लायसेंस भी मिला है। यहां वर्ष 2023 से एलोविरा का उत्पाद साबून, शैम्पू, मोस्चराईजर, बॉडीवॉश आदि तैयार किया जा रहा है,

जिसका ड्रग एवं कॉस्मेटिक विभाग से लायसेंस मिला है। प्रदेश में एकमात्र वनधन विकास केन्द्र दुगली है, जिसमें एलोवीरा का प्रिमियम प्रोडक्ट तैयार किया जाता है। इसके अतिरिक्त यहां का तिखूर अच्छी गुणवत्ता का तैयार किया जाता है। इन उत्पादों को बेहतर गुणवत्तायुक्त तैयार करने के लिए समय-समय पर विशेषज्ञों द्वारा महिला समूहों को प्रशिक्षण भी दिया जाता है। भारत सरकार ट्राइबल विभाग द्वारा वर्ष 2021 में वनधन विकास केन्द्र दुगली को प्रदेश में अधिक संग्रहण के लिए अवार्ड भी प्रदाय किया गया है। इस वनधन केन्द्र कों मशीनरी एवं तकनीकी सहयोग भी मिल रहा है, जिससे केन्द्र दिनों दिन प्रगति कर रहा है। यहां 22 प्रकार के उत्पाद एलोवीरा जूस, साबून, बॉडी वॉश, शैम्पू, जेल, मोस्चराईजर, हेयर कंडीशनर के साथ ही आंवला कैण्डी, आंवला जूस, आंवला चूर्ण, बेहड़ा पावडर, त्रिफ्ला चूर्ण, शतावर चूर्ण, अश्वगंधा चूर्ण, अर्जुन चूर्ण, जामुन गुठली चूर्ण, कालमेघ चूर्ण, तिखुर पावडर, बैचांदी चिप्स, माहुल पत्ता, शीशल रस्सी और शहद निर्मित किया जाता है।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

धमतरी/ कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने प्राकृतिक आपदा से मृतक के परिजनों को आर.बी.सी. 6-4 के तहत चार-चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। नगरी विकासखण्ड के ग्राम बेलरगांव की कुमारी यामिनी एवं काजल की मृत्यु पानी में डूबने की वजह से हो गई। इसके मद्देनजर दोनों बच्चियों की माता श्रीमती महेश्वरी को आरबीसी 6-4 के तहत प्रत्येक मृतका चार-चार लाख रूपये, कुल आठ लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इसी तरह ग्राम बेलरगांव की ही कुमारी सेविका कोर्राम की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी माता श्रीमती दिनेश्वरी कोर्राम को आर.बी.सी. 6-4 के तहत चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। ग्राम गढ़डोंगरी के शिवकुमार की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी बहन श्रीमती निर्मला बाई और ग्राम पालगांव के सुकदेव मण्डावी की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी श्रीमती सुनिति बाई मण्डावी को आर.बी.सी. 6-4 के तहत चार-चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

आमजनों की समस्याओं के निराकरण के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध - कलेक्टर

ग्राम कोना में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

मुंगेली /समय दर्शन। मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम कोना में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और सामाग्री वितरण कर लाभान्वित किया गया। शिविर में विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 449 आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से 240 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। कलेक्टर एवं, पुलिस अधीक्षक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मां सरस्वती की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कलेक्टर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर शासन और प्रशासन की पहुंच को आमजनों तक सुनिश्चित करता है। जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। कलेक्टर ने ग्रामीणों द्वारा धान उपार्जन केन्द्र कोना में पेयजल उपलब्ध कराने तथा नया ट्रांसफार्मर की मांग पर संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं से चर्चा कर पढ़ाई के संबंध में जानकारी ली और जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में खेल प्रतियोगिता आयोजित कराने और खिलाड़ियों को योजना के तहत खेल सामग्री प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शिविर में जितने भी आवेदन प्राप्त हुए हैं, उसका विधिवत निराकरण किया जाएगा।

मोबाईल और सिम आपके नाम पर रजिस्टर्ड होना चाहिए: एसपी

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सरकार द्वारा आमजनों के जन्म से लेकर अंतिम समय तक के लिए किसी न किसी प्रकार की योजना संचालित है। शिविर में इन योजनाओं की जानकारी लेकर उसका लाभ उठाएं। उन्होंने सायबर क्राइम से बचने लोगों को जागरूक किया और कहा कि आज के समय में सभी के पास मोबाईल है। मोबाईल और सिम आपके नाम पर रजिस्टर्ड होना चाहिए। मोबाइल सेकंडहैंड और गिफ्ट में नहीं लेना है। अपने आधार नंबर से दूसरे के लिए सिम नहीं खरीदना है। यदि मोबाइल चोरी हो जाता है, उसकी सूचना तत्काल थाना में देना है। मोबाइल में हमेशा सिक्योरिटी कोड लगा के रखना है। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में सबसे ज्यादा आवेदन आवास एवं शौचालय के हैं। परीक्षण उपरांत नियमानुसार शौचालय स्वीकृत किया जाएगा। आवास योजना का लाभ लेने किसी व्यक्ति को पैसे देने की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही जिनका नाम प्रतीक्षा सूची में है, उन्हें भी आवास योजना का लाभ मिलेगा। जनपद पंचायत मुंगेली उपाध्यक्ष पवन पाण्डेय ने कहा कि यह शिविर केवल समस्या निवारण के लिए नहीं है, बल्कि विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं की जानकारी देने के लिए भी है।

प्लेसमेंट कैम्प 29 नवम्बर को

धमतरी / जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र धमतरी द्वारा कुल 438 पदों पर भर्ती के लिए आगामी 29 नवम्बर को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। सुबह 11 से शाम 4 बजे तक कम्पोजिट भवन स्थित जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में आयोजित इस प्लेसमेंट कैम्प में निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा फायरमेन, सिक्योरिटी गार्ड, ड्राइवर, होम केयर टेकर, फील्ड सुपरवाईजर, मेडिकल ऑफिसर, फिजियोथेरेपी, डेंटिस्ट, नर्सिंग स्टॉफ, इलेक्ट्रिशियन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फार्मासिस्ट, कॉर्पोरेट मैनेजर इत्यादि पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा।

!! न्यायालय नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.) !!

ममला क्रमांक / 202411104100018/ अ - 27 / 2024-25

/ / उद्घोषणा पत्र / /

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका गोपीचंद साहू पिता/पति मेहतरू राम साहू निवासी,

ग्राम गनियारी तह0 व. जिला दुर्ग के द्वारा अपने भू स्वामी हक की भूमि ग्राम बोरई प.ह.न. 01तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 1842/2, 1842/3 कुल रकबा 0.6800 हे.

हेक्टेयर भूमि का खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अत: जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 09-12-24 तक स्वयं अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा

आज दिनांक 14-11-24 को मेरे स्वंय के हस्ताक्षर एंव न्यायालय के पद मुद्रा से यह पत्र प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बसना, जिला महासमुन्द (छ.ग.)

इश्तहार

क्रमांक/306/क/भू व्यय/अ.वि.अ./2024 बसना, दिनांक 14 नवम्बर 2024

आवेदक राजेन्द्र कुमार पिता नंदकुमार निवासी ग्राम बिछियां (सा.) तहसील बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.) के द्वारा ग्राम बिछियां प.ह.नं. 18 रा.नि.मं. भंवरपुर तहसील बसना स्थित भूमि खसरा नंबर 980/1 रकबा 0.11हे. भूमि को भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-172 के तहत् कृषि मद से भिन्न व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बी-1, खसरा, नक्शा एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका द्वारा आवेदित उक्त भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो इस न्यायालय में दिनांक 29/11/2024 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/11/2024 को मेरे हरतावार एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अनुभाग बसना

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बसना, जिला महासमुन्द (छ.ग.)

इश्तहार

क्रमांक /304/क/अ.वि.अ./2024 बसना, दिनांक 14 नवम्बर 2024

आवेदिका श्रीमती द्रोपति पटेल पति राजेन्द्र कुमार पटेल निवासी ग्राम बिछियां तहसील बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.) के द्वारा ग्राम बिछियां प.ह.नं. 18 रा.नि.म . भंवरपुर तहसील बसना स्थित भूमि खसरा नंबर 980/2 रकबा 0.04 हे. भूमि को भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-172 के तहत् कृषि मद से भिन्न व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बी-1, खसरा, नक्शा,एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका द्वारा आवेदित उक्त भूमि की व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो इस न्यायालय में दिनांक- 29/11/2024 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुदा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अनुभाग बसना

मुहर

संक्षिप्त-खबर

तालाब किनारे व नाली में डाल रहा था मलबा,निगम ने कार्रवाही के बाद लगाया 5 हज़ार का जुर्माना

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत डिबरा पारा तालाब के किनारे व नाली को पाटा जा रहा था।जिसकी शिकायत अधिकारियों से की गई।बता दे कि वार्ड नंबर 39 स्थित गर्वमेंट स्कूल के पीछे पोटिया जाने वाले मार्ग में मुकेश सोनकर द्वारा डिपरापारा तालाब व नाली को धड़ल्ले पाटकर बंद कर रहा था। कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश एवं भवन अधिकारी गिरीश दिवान के मार्गदर्शन पर मौके पर उपअभियंता करण यादव,अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता द्वारा टीम के साथ पहुँचकर तालाब स्थल का निरीक्षण करने पर पाया गया. जो स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है. तालाब में मलबा पाटकर नाली को बाधित किया रहा था। इस दौरान अधिकारियों ने निरीक्षण कर दिनेश सोनकर को दोबारा ऐसा नही करने की चेतवानी देते हुए पांच हज़ार का जुर्माना लगाया। तालाब व निगम की नाली को पाटने की कोशिश कर रहा था संबंधित को बेदखली की कार्रवाही कर जुर्माना लगाया गया।

ठेलका शाला के 22 कैडेट्स और 1 एएनओ ने फायरिंग प्रशिक्षण में भाग लिया

साजा (समय दर्शन)। बुधवार को 37 छ.ग.बटालियन एनसीसी दुर्ग द्वारा आयोजित फायरिंग प्रशिक्षण का आयोजन एस टी एफकार्यालय बघेरा दुर्ग में किया गया,इस प्रशिक्षण में शा .उ.माध्यमिक विद्यालय ठेलका के 22 कैडेट्स और 1 एएनओ ने भाग लिया,फायरिंग प्रशिक्षण बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मकसूद अली ख़ान के मार्ग में हो रहा है उक्त प्रशिक्षण में सभी कैडेट्स को 0.22 राइफ्ल से 25 मीटर रेंज से फायरिंग का अभ्यास कराया गया ।इस दौरान बटालियन के सूबेदार मेजर भूपति थापा ने सभी कैडेट्स को बताया कि राइफ्ल को किस तरह पकड़ना है और किस तरह टारगेट को देखकर निशाना लगाना है ।एनसीसी थर्ड ऑफिसर धर्मपाल वर्मा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र से आए कैडेट्स ने पहली बार राइफ्ल से फ़ायरिंग की और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।फायरिंग से पहले सभी कैडेट्स को राइफ्ल के सभी पार्ट्स के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण में बटालियन के सभी स्टाफ़ उपस्थित रहे ।

जागरूकता रैली निकालकर बाल विवाह रोकथाम के दिए संदेश, भाजपा के मंडल महामंत्री रवि सिंगौर ने दिलाई शपथ

पाटन (समय दर्शन)। बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत आज बुधवार को पाटन क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में बाल विवाह रोकने के प्रति जागरूकता लाने के लिए रैली निकाली गई। इसी कड़ी में शासकीय महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्विद्यालय विद्यालय सांकरा के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा भी ग्राम में जागरूकता रैली निकाली गई । रैली की शुरुआत उत्तर पाटन मंडल भाजपा के महामंत्री रवि सिंगौर ने हरी झंडी दिखाकर किया । रैली गांव में भ्रमण करते हुए बाल विवाह रोकथाम के नारे भी लगाए । रैली वापस महाविद्यालय परिसर पहुंची यहां पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा उत्तर पाटन मंडल के महामंत्री के रवि सिंगौर ने कहा कि बाल विवाह समाज के लिए अभिशाप है। हमें सचेत रहना है। कहीं पर भी बाल विवाह होते नजर आए तो उसकी जानकारी शासन प्रशासन को तत्काल देने साथ ही साथ पालकों को भी प्रेरित करें कि वह अपने बच्चों का बाल विवाह न करें । इस अवसर पर प्रमुख रूप से कार्यक्रम के मुख्यअतिथि तुलाराम सिंगौर स्ष्टष्ट अध्यक्ष,परिवेक्षक दर्शिका शास्त्री, चंद्राभागा चंद्राकर संतोषी वर्मा ,सोहद्रा पठारी ,एवं वत्सला ठाकुर, महिला बाल विकास परियोजना जामगांव एम, कामता सिंगौर, किशन यादव, नागेश सिंगौर सहित अन्य मौजूद थे।

रायपुर में हो रहे आध्यात्मिक ज्ञान का अनूठा संगम, अमृत वर्षा का बसना अंचल में हो रहा व्यापक प्रचार

बसना (समय दर्शन)। ऋषि चैतन्य ट्रस्ट द्वारा अमृत वर्षा कार्यक्रम का आयोजन रायपुर में होने जा रहा है। यह कार्यक्रम 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2024 तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, ग्रेट ईस्टर्न रोड, साइंस कॉलेज के पास, आमानाका, रायपुर में आयोजित होगा। प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक चलने वाले इस आयोजन में आध्यात्मिक ज्ञान और आत्मचिंतन के अनमोल मार्गदर्शन का अवसर मिलेगा।

अमृत वर्षा का मुख्य उद्देश्य आत्मिक शांति, जीवन में ध्यान और संतुलन का महत्व समझाना है। इस आयोजन में परम पूज्या आनंदमूर्ति गुरुमाँ के प्रवचन होंगे, जो जीवन की गूढ़ समस्याओं का समाधान और आत्मज्ञान का मार्ग प्रशस्त करेंगे। यह आयोजन हर उम्र और वर्ग के लोगों के लिए एक दुर्लभ अवसर होगा, जहां वे अपने भीतर की शांति और चेतना को जागृत कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोग न केवल आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करेंगे, बल्कि आयोजन समिति से जुड़कर इस कार्यक्रम के उद्देश्यों को और गहराई से समझने का मौका भी मिलेगा।

हरियाणा राज्य के गन्नौर शहर में स्थित ऋषि चैतन्य आश्रम के अध्यक्ष परम पूज्या आनन्दमूर्ति गुरुमाँ एक सच्चे आध्यात्मिक गुरु हैं जो लोगों को अपने जीवन में सुख और शांति प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। गुरुमाँ की शिक्षाएं और संदेश लोगों के जीवन को सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। गुरुमाँ के शिष्य बसना निवासी गुरदीप होरा ने बताया कि, गुरुमां ने लगभग 40 वर्षों से अपने अलौकिक ज्ञान के मोतियों को बाँटने के लिए देश-विदेश

में यात्रा की है। उन्होंने अनेक ध्यान शिविरों, प्रज्ञावान प्रवचनों व आत्ममंथन की सरल विधियों के माध्यम से जीवन को एक नवीन आयाम दिया है। गुरुमाँ के सानिध्य में वेदांग, वेदांत व साधना के गूढ़ विषयों पर आश्रम में अध्ययन, गहन चिंतन व मनन भी निरंतर किया जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आधुनिक विचारधारा, क्रियाशीलता व रचनात्मकता के कारण गुरुमाँ युवाओं के अति प्रिय हैं। युवा शिविरों के माध्यम से गुरुमाँ ने युवाओं की व्यावहारिक समस्याओं पर चर्चा, उनके जीवन में धर्म का सुदृढ़ स्तम्भ स्थापित करना एवं उनकी सृजनात्मक प्रतिभाओं को उभारने का सदैव ही प्रयास किया है।

आपको बतादे कर्तव्य निर्वाह के इसी उपक्रम में गुरुमाँ ने कन्याभ्रूण हत्या पर नियंत्रण एवं बालिका सशक्तिकरण के लिये वर्ष 1999 में 'मिशन शक्ति 'की स्थापना कर अज्ञान से बालिकाओं को निवृत करने हेतु शिक्षा रूपी शस्त्र से सशक्त बनाया है। पिछले 22 वर्षों में मिशन शक्ति का यह नन्हा-सा पौधा आज लगभग 26 हजार जरूरतमंद बालिकाओं को 12वीं कक्षा तक की आर्थिक सहायता एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर एक विशाल वट वृक्ष का रूप धारण कर चुका है।

विलक्षण व्यक्तित्व को शब्दों में बांधना सूर्य को दीपक दिखाने के समान है। ज्ञान की पराकाष्ठा आनन्दमूर्ति गुरुमाँ न केवल करुणा का मूर्त रूप हैं अपितु सम्पूर्णता की परिभाषा हैं। गुरदीप होरा ने महासमुंद लोकसभा सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी और बसना विधायक डॉ.संपत अग्रवाल सहित बसना क्षेत्र के सभी समाज सेवी,श्रद्धालु भक्त जनों से रायपुर में हो रहे कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया है।

स्टेट बैंक शाखा प्रबंधक बसना द्वारा की जा रही मनमानी

- व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने ग्राहकों को किया जा रहा परेशान

बसना (समय दर्शन)। देश के सबसे बड़े बैंकों में से एक है भारतीय स्टेट बैंक जिस पर देश के अधिकांश लोगों का खाता है और जिस पर लोगों ने अपने खून पसीने की कमाई को सुरक्षित रखा है। भारतीय स्टेट बैंक एक ऐसा नाम जिसे सुनते ही लोगों के दिलों में सम्मान एवं भरोसा स्पष्ट रूप से दिखाई देता है परंतु बसना क्षेत्र में इसका नजारा कुछ और ही देखने को मिल रहा है।

जून 2024 में शाखा प्रबंधक बसना के रूप में मोहम्मद शेख आदिल ने कार्यभार समहाला और पहले ही दिन से ये विवादों के घेरे में आ चुके हैं।

किसी भी बैंक की सफलता और असफलता के पीछे उनके कर्मचारियों का बहुत बड़ा योगदान होता है, खासकर बैंकिंग के क्षेत्रों में अधिकारियों का व्यवहार ही ग्राहकों को बैंक से जोड़ता है अथवा खराब व्यवहार ग्राहकों को बैंक से तोड़ता है। ग्राहक वो व्यक्ति होता है जिसके जमा पूंजी का निवेश करके ही बैंक लाभ अर्जित करता है और अपने कर्मचारियों को वेतन देता है। अत: ये कहना गलत नहीं होगा कि ग्राहक से ही बैंक चलता है। देश के किसी भी शासकीय विभाग में पदस्थ अधिकारी, कर्मचारी जन सेवक होता है उन्हें जनता की सेवा के लिए ही नियुक्त किया गया है परंतु भारतीय स्टेट बैंक शाखा बसना के शाखा प्रबंधक मोहम्मद शेख आदिल अपने आप को जनता का सेवक नहीं अपितु जनता को सेवक समझते हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 25/11/2024 को एक 70 वर्षीय बुजुर्ग एवं विकलांग महिला जो ठीक से चल नहीं पाती, ठीक से देख भी नहीं पाती किसी तरह से 10 किलोमीटर पैदल चलकर बसना के एक च्वाइस सेंटर में अपने खाते से पैसा निकालने के लिए पहुंची, जहां च्वाइस सेंटर संचालक ने बताया कि आपके खाते में आधार इनेबल पेमेंट सिस्टम बंद हो गया है जिसे चालू करवाने के लिए शाखा जाना पड़ेगा।

बुजुर्ग एवं विकलांग महिला किसी तरह शाखा पहुंची जहां इत्तेफाक से उसका पोता रमेश साहू पहले से ही मौजूद था।अपनी दादी की समस्या को सुनने के बाद रमेश साहू ने किसी तरह फॉर्म भरके बैंक में जमा करना चाहा परंतु 3 घंटे तक बैंक के कर्मचारी रमेश साहू एवं बुजुर्ग महिला को नजर अंदाज करते रहे,,अंतत: 3 घंटे बाद फॉर्म जमा हुआ और बैंक के कर्मचारी द्वारा बोला गया की सुविधा चालू कर दी गई है। जिससे संतुष्ट होकर रमेश साहू अपनी दादी को लेकर पुन: च्वाइस सेंटर पहुंचा परंतु फिर पता चला कि अब भी सुविधा चालू नहीं हुई है।

रमेश साहू ने वापस शाखा जाकर अपनी परेशानी रखी जिस पर कर्मचारियों ने शाखा प्रबंधक से सम्पर्क करने बोला, रमेश साहू ने शाखा प्रबंधक से बात की तो शाखा प्रबंधक बसना मोहम्मद शेख आदिल बुजुर्ग एवं विकलांग महिला के दर्द को समझने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के बजाए रमेश साहू एवं बुजुर्ग महिला से अभद्र व्यवहार करते हुए बसना में

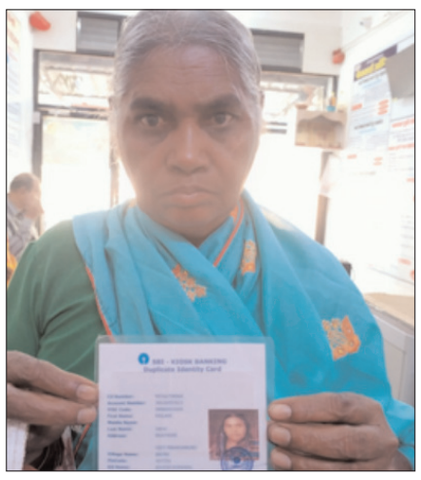

स्थित मुस्ताक खान के च्वाइस सेंटर जाने के लिए दबाव बनाया जाने लगा जिस पर रमेश साहू ने शाखा प्रबंधक से निवेदन किया कि मुझे अपने गांव से ही पैसे निकालने हैं। अत: सुविधा चालू कर दीजिए। परंतु शाखा प्रबंधक बसना मोहम्मद शेख आदिल ने कहा कि यदि आपको पैसे निकालने हैं तो मुस्ताक खान के पास ही जाना पड़ेगा, आप अन्य किसी च्वाइस सेंटर से पैसे नहीं निकाल सकते।

इस तरह शाखा प्रबंधक बसना मोहम्मद शेख आदिल द्वारा व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से उक्त बुजुर्ग महिला के खाते में आधार इनेबल पेमेंट सिस्टम को चालू नहीं किया।

रमेश साहू ने परेशान होकर क्षेत्रीय प्रबंधक बिलासपुर नरेंद्र मित्तल से मोबाइल से बात की परंतु उनके द्वारा भी दुर्व्यवहार करते हुए बोला गया कि तुम्हारा काम ब्रांच नहीं करेगा तो क्या तुम सीधे मुख्य मंत्री को फोन करोगे ?

गौरतलब है कि जहां एक तरफ शासकीय अधिकारी, कर्मचारी जनता का सेवक होता है वहीं स्टेट बैंक शाखा बसना में जब 70 वर्षीय बुजुर्ग एवं विकलांग महिला के साथ इस तरह का व्यवहार हो सकता है तो आम जनता के साथ कैसा व्यवहार होता होगा। एक अन्य मामले में निलेश अग्रवाल ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि जैसे ही मोहम्मद शेख आदिल ने कुर्सी सम्हाली है बसना क्षेत्र के 2 ग्राहक सेवा केंद्र को बंद करवा दिया तो वहीं दूसरी ओर गलत तरीके से संचालित ग्राहक सेवा केंद्रों को संरक्षण दिया जा रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार ग्राहक सेवा केंद्र निर्धारित लोकेशन में ही संचालित किया जाना है साथ ही जनधन खाता खोलने, रकम जमा या निकासी करने पर ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लेना है परंतु स्टेट बैंक बसना से जुड़े हुए अधिकांश ग्राहक सेवा केंद्र संचालकों द्वारा नियमों के विपरीत खाता खोलने का शुल्क 100 से 200 रुपए तथा रकम जमा या निकासी करने पर प्रति हजार 10 रुपए का शुल्क लिया जा रहा है। इतना ही निर्धारित लोकेशन को छोड़कर अन्य लोकेशन में ग्राहक सेवा केंद्रों का संचालन तथा डमी फिंगर का इस्तेमाल भी देखने को मिल रहा है।

इस संबंध में कई बार शाखा प्रबंधक बसना मोहम्मद शेख आदिल तथा क्षेत्रीय प्रबंधक बिलासपुर नरेंद्र मित्तल से शिकायत की गई है परंतु अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही न करना संदेह के दायरे में है।

हाल ही में बिना आवेदन अपने नेट बैंकिंग आईडी को डी एक्टिवेट करने का मामला भी प्रकाश में आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निलेश अग्रवाल ने शाखा प्रबंधक बसना के ऊपर आरोप लगाया है कि, दुर्भावनावश उनका नेट बैंकिंग आईडी को बंद कर दिया गया है जिस पर शाखा प्रबंधक बसना ने पहले तो जांच कर जानकारी देने की बात कही थी, परंतु बाद में ये बताया कि निलेश अग्रवाल द्वारा दिनांक 26/09/2024 को अपने नेट बैंकिंग के माध्यम से 2,42,900 रुपए का संदेहास्पद ट्रांजेक्शन किया है जिस पर खाते की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उनका नेट बैंकिंग आईडी को डी एक्टिवेट किया गया है परंतु निलेश अग्रवाल द्वारा बैंक से स्टेटमेंट मांगने पर पता चला कि उक्त दिनांक को कोई ट्रांजेक्शन ही नहीं हुआ है।

इस पर क्षेत्रीय प्रबंधक नरेंद्र मित्तल द्वारा पर्दा डालते हुए बोला जा रहा है कि निलेश अग्रवाल द्वारा दिनांक 26/09/2024 को अपने नेट बैंकिंग से 2,42,900 रुपए का ट्रांजेक्शन करने का प्रयास किया गया था हालांकि ये ट्रांजेक्शन फेल हो गया था इसीलिए उनके नेट बैंकिंग को बंद किया गया है।

निलेश अग्रवाल ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि खाताधारक अपने खाते का मालिक होता है, अपने जरूरत के अनुसार किसी भी राशि का ट्रांजेक्शन कर सकता है, बैंक को कोई अधिकार नहीं की वो बड़ी राशि का ट्रांजेक्शन देखकर नेट बैंकिंग आईडी को डी एक्टिवेट कर दे। हालांकि उन्होंने ऐसा कोई ट्रांजेक्शन किया ही नहीं है, अधिकारी द्वारा शाखा प्रबंधक को बचाने के लिए ऐसा बोला जा रहा है। निलेश अग्रवाल का ये भी कहना है कि यदि मैंने ऐसा कोई ट्रांजेक्शन किया भी होता तब भी मैं उसके लिए स्वतंत्र हूं और जब तक लिखित में आवेदन न दूं तब तक बैंक को नेट बैंकिंग आईडी डी एक्टिवेट करने का अधिकार नहीं है।

निलेश अग्रवाल ने आगे बताया कि जब से मोहम्मद शेख आदिल बसना आए हैं तब से बैंक में परेशानी बढ़ गई है एवं कोई काम समय पर नहीं हो रहा है। खाते में मोबाइल नंबर लिंक करवाना हो या आधार लिंक करवाना हो, पासबुक में एंट्री करवानी हो या बैंक स्टेटमेंट लेना हो, लोगों के जूते घिस जा रहे हैं। लेकिन काम नहीं हो रहा है। शाखा प्रबंधक बसना द्वारा ग्राहकों को मुस्ताक खान के च्वाइस सेंटर में जाने को बाध्य किया जा रहा है। अयोग्य व्यक्तियों को लाखों रुपए का लोन दिया जा रहा है परंतु योग्य व्यक्तियों को बैरंग लौटाया जा रहा है। परेशानी को ध्यान में रखते हुए जनता की मांग है कि, बसना के लिए किसी दूसरे शाखा प्रबंधक की व्यवस्था की जाए।अब देखना ये है कि, अधिकारी इस समस्या को ठीक कर पाते हैं या नहीं।

एम. एस. सी. के छात्राओं ने किया जंगल सफारी भ्रमण

बसना (समय दर्शन)। स्वर्गीय जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना के प्राचार्य डॉ.एस.के .साव के मार्ग दर्शन में प्राणी शास्त्र विभाग स्नातकोत्तर एम.एस.सी की सभी छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के लिए जंगल सफारी नया रायपुर का भ्रमण कराया गया । छात्राओं को इससे पर्यावरण में उपस्थित जानवरों की विविधता देखने को मिलती है ,नई प्रजातियों के बारे में जानने और सबसे महत्वपूर्ण जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में उनकी रक्षा कर जैव विविधता एवं पारिस्थितिक तंत्र को संतुलित बनाने की शिक्षा मिलती है। जिससे हमारा पर्यावरण स्वस्थ रहे। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन जंगल सफारी के गाइड शेख जावेद ने किया ,इन्होंने अफ्रीकन टाइगर ,अमेरिकन व्हाइट टाइगर, नीलगाय ,हिरण ,ऊदबिलाव ,मगरमच्छ एवं सांपों की अनेक प्रजातियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एनिमल बिहेवियर ,जीवों में अनुकूलन एवं उत्परिवर्तन किस प्रकार से होता है उसे विस्तार पूर्वक छात्राओं को बताया । इस भ्रमण में आकांक्षा भोई, निधि जोशी, जानीसार फातिमा, मुस्ताक खान, शशांक निमलकर प्राध्यापक गण यात्रा के मागदर्शक रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितता के आरोप में ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

पिथौरा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितता के आरोप में ग्राम पंचायत सचिव सत्यानंद बांक प्रभाव से हुए निलंबित। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में अनियमितता के आरोप में ग्राम पंचायत माटीदरहा के सचिव सत्यानंद बांक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत पिथौरा द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। जिसमें सचिव पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांच प्रतिवेदन के अनुसार, ग्राम पंचायत उतेकेल में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राही के स्थान पर अपात्र हितग्राही श्रीमती प्रेमशिला बांक को लाभ दिलाने के लिए ग्राम सभा से अनुचित रूप से अनुमोदन कराया गया। श्रीमती प्रेमशिला, जो वर्ष 2019-20 से ग्राम नरसिंगपुर में निवासरत हैं और वहाँ की मतदाता सूची में दर्ज हैं, को गलत तरीके से ग्राम पंचायत उतेकेल में पात्र हितग्राही घोषित किया गया है। इस मामले में तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव सत्यानंद बांक को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। उनके कार्य को पदीय कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही, उदासीनता, स्वेच्छाचारिता और वित्तीय अनियमितता माना गया है। जो छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा आचरण नियम 1998 के उल्लंघन के अंतर्गत आता है।निलंबन आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि में श्री बांक का मुख्यालय जिला पंचायत महासमुंद रहेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता दी जाएगी। जिला पंचायत ने इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है।

कौड़िया परिक्षेत्र के रिकोकला में कलार समाज की प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

- कौड़िया परिक्षेत्र के रिकोकला में कलार समाज की प्रतिभाओं का हुआ सम्मान
- भव्य कलश यात्रा के साथ भगवान सहस्त्रबाहु के जन्मोत्सव पर समाज में महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

पिथौरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कलार समाज कौड़िया (पिथौरा) परिक्षेत्र की द्वितीय वार्षिक सम्मेलन और सहस्त्रबाहु जयंती समारोह सुदूर अंचल के रिकोकला गांव में धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर भगवान सहस्त्रबाहु की पूजा-अर्चना की गई। पूरे गांव में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में शिक्षा, समाजसेवा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने वर्चुअल माध्यम से समाज के उत्थान और एकता पर जोर दिया। संजारी-बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा और महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की महत्ता पर प्रकाश डाला। कलार समाज महिला मंच की प्रदेश अध्यक्ष प्रमिला पुनीत सिन्हा ने महिलाओं से सामाजिक उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की। जिला अध्यक्ष डॉक्टर नीरज गजेन्द्र ने सामाजिक उत्थान के लिए आपसी एकजुटता को अपनी पहली प्राथमिकता बताया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय मंडलेश्वर पुनीत सिन्हा ने अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों का विवरण दिया। इनमें जिला स्तरीय सम्मेलन, छात्रों का सम्मान, तीज मिलन समारोह ,मानश मर्मज्ञों का सम्मान और दीपदान जैसे आयोजन शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस मंच ने समाज को एक नई दिशा दी है। समारोह को समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष सीताराम सिन्हा,बलौदाबाजार जिला अध्यक्ष भुवन जायसवाल, जिला संरक्षक बलौदाबाजार नंदलाल जायसवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष संरक्षक ईश्वर

सिन्हा , कौड़िया संरक्षक प्रेम सिन्हा , बसना एवं कसडोल मंडलेश्वर शिवप्रसाद डड़सेना, राजकुमार डड़सेना , पूर्व प्रदेश कार्यकारणी सदस्य बुधेश्वर डड़सेना प्रमुख सलाहकार देवराम डड़सेना ने भी संबोधित किया। मंच में समाज के प्रबुद्धजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला पदाधिकारियों और ग्राम रिकोकला सहित अन्य पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों का योगदान सराहनीय रहा। अनुराधा डड़सेना, देवकी डड़सेना, मिथलेश डड़सेना,किरण सिन्हा, पूजा सिन्हा, भुनेश्वरी सिन्हा ,संतोषी डड़सेना, नीता डड़सेना, माधुरी डड़सेना, गायत्री डड़सेना, नंदकुमार डड़सेना, लितेश डड़सेना, रतन डड़सेना, रामकुमार डड़सेना, रामचरण डड़सेना, माखन डड़सेना, ठाकुर राम डड़सेना, आत्माराम पंकज डड़सेना, ओम सिन्हा, योगेंद्र डड़सेना, पुष्पराज गजेन्द्र, महेन्द्र डड़सेना, लोकप्रकाश डड़सेना, रमेश सिन्हा, मानश्वन डड़सेना, लखन डड़सेना, श्याम लाल डड़सेना, राजू सिन्हा, शैलेन्द्र डड़सेना,हृदेश डड़सेना, चंचल डड़सेना, प्यारी डड़सेना, सादराम डड़सेना, अशोक डड़सेना, टेकलाल डड़सेना ,गंगा डड़सेना, रामायण डड़सेना समेत कई सदस्यों ग्राम प्रमुखों, महिला प्रमुखों,युवा प्रमुखों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला महासमुंद के प्रमुख सलाहकार अधिवक्ता लोकनाथ डड़सेना ने कार्यक्रम का संचालन किया। सचिव पोलाराम डड़सेना ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया और सभी का आभार व्यक्त किया। यह वार्षिक सम्मेलन समाज की एकता और विकास के लिए प्रेरणा का स्रोत साबित हुआ

प्रतिभाओं का सम्मान

2023-24 बोर्ड परीक्षा में 75त्न से अधिक अंक अर्जित करने वाले 22 छात्र-छात्राओं को पुष्पमाला, शॉल और श्रीफ्ल देकर सम्मानित किया गया। विशेष रूप से 10वीं की प्रदेश प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाली पूजा सिन्हा को 11,000 रुपये नकद पुरस्कार दिया गया। नेट क्वालीफाई करने वाली कुसुम डड़सेना ,धर्मेंद्र डड़सेना, यमनी सिन्हा, नीता डड़सेना, जागृति सिन्हा, जितेन्द्र डड़सेना, देविका सिन्हा, वेदिका सिन्हा, टीकम सिन्हा, रुचि सिन्हा, ओमिका सिन्हा, हिना सिन्हा, छाया सिन्हा, ओंकार सिन्हा समेत अन्य प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का भी सम्मान हुआ। शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का योगदान सराहा गया।

शिक्षा क्षेत्र में समर्पित 45 शिक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। इनमें परमेश्वर डड़सेना,पुरुषोत्तम डड़सेना, हरिश्चन्द्र डड़सेना, खगेश्वर डड़सेना, धर्मिन डड़सेना, निशा डड़सेना, लव कुमार डड़सेना, भुनेश्वर डड़सेना, रोशन डड़सेना, दयावती डड़सेना, गोवर्धन डड़सेना, मनीष सिन्हा, दुलामणि सिन्हा और अन्य शामिल थे। सभी को शॉल, श्रीफ्ल और पुष्पगुच्छ प्रदान किए गए। भूमिदानकर्ताओं का आदर ग्राम रिकोकला में सामाजिक भवन निर्माण हेतु 15 डिसमिल भूमि दान करने वाले दंपति श्रीमती शशिकला रतन डड़सेना विशेष रूप से उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26